मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 264
मंगलवार, 15 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

कांग्रेस शासित कर्नाटक-हिमाचल में लोग ठगा हुआ महसूस कर रहेः पीएम मोदी

यमुनानगर, 14 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि 2014 से पहले जब कांग्रेस सत्ता में थी तो ब्लैकआउट होते थे, लेकिन पिछले दशक में भारत का उत्पादन दोगुना हो गया है और वह बिजली का निर्यात कर रहा है। यमुनानगर के कैल गांव में दीनबंधु छोटू राम थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की अल्ट्रा-क्रिटिकल आधुनिक इकाई की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार की डबल स्पीड देखी जा रही है। इस परियोजना का निर्माण भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा 7272.06 करोड़ की लागत से किया जाएगा। हरियाणा पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड ने कहा कि कुल परियोजना लागत 8469.12 करोड़ है।

मोदी ने कहा, कांग्रेस मॉडल पूरी तरह झूठ साबित हुआ है क्योंकि यह केवल सत्ता (जीतने) पर केंद्रित है। भाजपा मॉडल सत्य पर आधारित है। उन्होंने कहा, कांग्रेस शासित राज्यों में लोगों को धोखा दिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में लोग परेशान हैं क्योंकि सभी विकास कार्य ठप हैं, जबकि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के तहत बिजली से लेकर दूध तक सब कुछ महंगा

हो रहा है।

233 एकड़ में फैली और लगभग 8,470 करोड़ रुपये की लागत वाली थर्मल पावर यूनिट के मार्च 2029 तक चालू होने की उम्मीद है। इससे हरियाणा की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा मिलेगा और पूरे राज्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति होगी। गोबरधन (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) के विजन को आगे बढ़ाते हुए, मोदी ने मुकरबपुर में एक संपीड़ित बायोगैस संयंत्र की आधारशिला रखी। 2027 तक पूरा होने वाले इस संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2,600 मीट्रिक टन होगी और यह जैविक अपशिष्ट प्रबंधन में मदद करेगा, साथ ही स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देगा। हैदराबाद के केंद्रीय विश्वविद्यालय के पास कई एक-ड़ में पेड़ों को गिराने के लिए तेलंगाना सरकार को देशव्यापी आलोचना का सामना करने के कुछ दिनों बाद, मोदी ने कहाः वे (कांग्रेस सरकार) जंगलों को साफ करने में व्यस्त हैं, जबकि भाजपा सरकार अक्षय ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए बायोगैस संयंत्र बना रही है।

बड़े बदलाव के मूड में कांग्रेस, प्रियंका गांधी को पार्टी उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है

नई दिल्ली, 14 अप्रैल। कांग्रेस द्वारा संगठन में प्रियंका गांधी वाड्रा की भविष्य की भूमिका पर जल्द ही निर्णय लिए जाने की उम्मीद है, क्योंकि पार्टी उपाध्यक्ष के पद पर उनकी संभावित पदोन्नति को लेकर आंतरिक चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रियंका गांधी वाड्रा पर्दे के पीछे से अहम भूमिका निभा रही हैं, भले ही वे वर्तमान में महासचिव के पद पर हैं, लेकिन उनके पास कोई खास संगठनात्मक प्रभार नहीं है। उनके सबसे उल्लेखनीय हालिया योगदानों में से एक गुजरात से शुरू होने वाले जिला अध्यक्षों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक पायलट परियोजना का खाका तैयार करना है। यह परियोजना, जो जिला-स्तरीय नेताओं को

अधिक जिम्मेदारी और अधिकार देकर कांग्रेस के जमीनी ढांचे को मजबूत करने का प्रयास करती है, बाद में इसे अन्य राज्यों में भी दोहराया जा सकता है यदि यह गुजरात में सफल हो जाती है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि प्रियंका की औपचारिक भूमिका पर चर्चा के साथ-साथ, कांग्रेस संगठन के भीतर व्यापक कार्यात्मक बदलावों की भी तैयारी कर रही है। आगामी चुनावी चुनौतियों से पहले पार्टी के कामकाज को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आंतरिक प्रणालियों और परिचालन दक्षता में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सूत्रों ने संकेत दिया कि प्रियंका गांधी वाड्रा की पदोन्नति पर अंतिम निर्णय अभी भी लंबित है, लेकिन प्रमुख संगठनात्मक पहलों में उनकी भागीदारी कांग्रेस की भविष्य की दिशा को आकार देने में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है।

बंगाल में अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन में कराया जाना चाहिये : शुभेंदु अधिकारी

कोलकता, 14 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुयी हालिया हिंसा के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति के पूरी तरह खराब होने का आरोप लगाते हुये भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को मांग की कि प्रदेश में 2026 में होने वाला विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत करवाया जाना चाहिये। अधिकारी ने कहा कि सुती, धुलियान, जंगीपुर और शमशेरगंज सहित मुर्शिदाबाद के कुछ हिस्सों में जारी अशांति ने नागरिकों की सुरक्षा और शांति बनाए रखने में राज्य सरकार की अक्षमता को उजागर किया है। उन्होंने दावा किया कि जब भीड़ उत्पात मचा रही थी, तब

सरकार मूकदर्शक बनी रही। विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने यहां संवाददाताओं से कहा, जहां भी हिंदू अल्पसंख्यक हैं, उन्हें मतदान करने से रोका जाता है। पुलिस सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं की तरह काम करती है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत होने चाहिए। हाल ही में हुई हिंसा के पीछे जिहादी तत्वों का हाथ होने का आरोप लगाते हुए अधिकारी ने कहा, इन समूहों को बेलगाम होने की अनुमति दी गई है। हम उनसे निपटने के लिए तैयार हैं, लेकिन सभी को समान अवसर मिलना चाहिए। निर्वाचन आयोग को चुनाव से पहले राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करने पर विचार करना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा से प्रभावित सैकड़ों लोगों ने कथित तौर पर भागीरथी नदी पार कर पड़ोसी मालदा जिले में शरण ली है। स्थानीय प्रशासन ने विस्थापित परिवारों को आश्रय और भोजन उपलब्ध कराया है, उन्हें स्कूलों में ठहराया है और नावों से आने वालों की सहायता के लिए स्वयंसेवी दल गठित किए हैं।

राष्ट्रपति के लिए समय सीमा, सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती दे सकती है केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 14 अप्रैल। राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले को केंद्र सरकारचुनौती दे सकती है। तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल मामले में 8 अप्रैल को आए फैसले ने एक तरह से राष्ट्रपति की शक्तियों को भी सीमित कर दिया। सूत्रों के अनुसार केंद्र एक समीक्षा याचिका दायर करने की योजना बना रहा है। इस फैसले के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों द्वारा भेजे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति के लिए तीन महीने की समय-सीमा तय कर दी है। यह एक तरह से राष्ट्रपति की पूर्ण वीटो की शक्ति को छीन लेता है। तमिलनाडु मामले में फैसला

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की दो न्यायाधीशों वाली पीठ ने सुनाया।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि पुनर्विचार याचिका किस बात को चुनौती देगी। यह नहीं बताया गया कि केंद्र सरकार तय की गई समयसीमा की समीक्षा की मांग करेगी या राष्ट्रपति के पूर्ण वीटो को खत्म करने की। यह इस आधार पर भी पुनर्विचार की मांग कर सकती है कि केंद्र को मामले में अपनी दलीलें रखने का मौका नहीं मिला। यह तब स्पष्ट होगा जब सरकार सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। पुनर्विचार याचिका पर सरकार के शीर्ष स्तर पर चर्चा चल रही है और पूरी संभावना है कि इसे सर्वोच्च न्यायालय में दायर किया जाएगा। भारत के अटॉर्नी जनरल (एजी) आर. वेंकटरमणी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि इस मामले में राष्ट्रपति की बात सुनी जानी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि क्या केंद्र पुनर्विचार याचिका दायर करेगा।

द हिंदू ने एक अनाम वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पुनर्विचार के लिए एक याचिका तैयार की जा रही है। मामले में बहस के दौरान केंद्र के तर्कों को पर्याप्त रूप से दृढ़ता से नहीं दशार्या गया। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस ने बताया कि गृह मंत्रालय विधेयकों के संदर्भों को संसाधित करने और राज्यों को राष्ट्रपति के निर्णयों को संप्रेषित करने वाली नोडल एजेंसी - ने कानून के बिंदुओं में कुछ कमियों का हवाला दिया है क्योंकि यह मामला सीधे उसके अधिकार क्षेत्र से संबंधित है।

अरब सागर से पकड़ी गई 1800 करोड़ की ड्रग्स

गुजरात, 14 अप्रैल। मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क को एक बड़ा झटका देते हुए, भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने 12-13 अप्रैल की दरम्यानी रात एक संयुक्त अभियान चलाया और 300 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किए, जिनकी कीमत लगभग 1800 करोड़ रुपये है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान काल्पनिक अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास समुद्र में चलाया गया। यह अभियान गुजरात एटीएस द्वारा मादक पदार्थों के संभावित ट्रांसशिपमेंट के प्रयास के बारे में एक विश्वसनीय खुफिया इनपुट प्रदान करने के बाद शुरू किया गया था। तेजी से कार्रवाई करते हुए, उत्तर महाराष्ट्र-दक्षिण गुजरात समुद्री क्षेत्र में एक बहु-मिशन भूमिका में तैनात एक ICG जहाज को संदिग्ध जहाज को रोकने के लिए डायवर्ट किया गया था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक गहरी अंधेरी रात की चुनौतियों के बावजूद, ICG जहाज ने IMBL के पास लक्ष्य नाव को सफलतापूर्वक ढूंढ निकाला। आसन्न अवरोधन को भांपते हुए, संदिग्ध नाव ने अपने

मादक पदार्थों की खेप को समुद्र में फेंकने का प्रयास किया और भागने के प्रयास में आईएमबीएल की ओर भाग गई। आईसीजी पोत ने तुरंत अपनी समुद्री नाव टीम को छोड़े गए प्रतिबंधित पदार्थ को बरामद करने के लिए भेजा और साथ ही भागते हुए जहाज का पीछा भी किया। हालांकि, आईएमबीएल के करीब होने और पता लगने के समय आईसीजी जहाज और संदिग्ध नाव के बीच शुरूआती दूरी के कारण, तस्कर अंतरराष्ट्रीय जल में पार करने में कामयाब रहे, जिससे भारतीय टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार पीछा करना बंद करना पड़ा, विज्ञप्ति में कहा गया। इस बीच, आईसीजी की समुद्री नाव टीम ने रात के समय प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए सावधानीपूर्वक तलाशी अभियान के बाद फेंके गए नशीले पदार्थों को बरामद कर लिया। जब्त की गई दवाओं को बाद में आगे की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए पोरबंदर ले जाया गया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव आंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर को उनकी 134वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। रेखा गुप्ता के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल पर आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इससे पहले, दिन में मुख्यमंत्री ने अपने निर्वाचन क्षेत्र शालीमार बाग में आंबेडकर की स्मृति में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में भाग लिया। बाद में उन्होंने दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और अन्य मंत्रियों के साथ विधानसभा परिसर में आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR Health
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

जरूरतमंद सीनियर सिटिजन के बेहतर देख-भाल हेतु समर्पित संस्था
YASHOJYOTI FOUNDATION'S
(MAHA/1211/2013/THANE)
ज्योति ओल्ड एज होम
JYOTI OLD AGE HOME
WE SERVICE FOR HUMANITY
Home For Aged, Senior Citizans, Pentioners Paralysis,
• Diabetic, Bed Ridden Patients.,• Paralysis, Alzheimer's dementia, post operative, palliative care schizophrenia, Treatement if needed., • Food Will Be Served Breakfast Lunch, Supple Dinner. (Veg & Non Veg), • Entertainment: Tv, Tape, News Paper, Indoor Games, Ample Place For Walking, Yoga., • 24x7 Ward Boy, Aaya, Atendant To Take Care., • Doctor's visit every day., • Specialist (Psyciaric, Dentist, Cardiologyst, physcian) visit on c, • Ambulance service on call., •
Dr. Jyoti MD (AM)
CONTACT NO.- 9820674896/9664682587
Padmakar Mhatre Hospital, Opp. Kakad Paradise, Penkar Pada, Mira Road (E), Thane - 401 107.

बेहाल वृद्धों के लिये आयोग बनना एक सराहनीय कदम

-ललित गर्ग

केरल भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग स्थापित करने के लिए एक कानून पारित किया है। यह एक सराहनीय एवं स्वागत योग्य पहल होने के बावजूद एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है कि आखिर भारत के बुजुर्ग इतने उपेक्षित एवं प्रताड़ित क्यों है? केरल जैसे शिक्षित राज्य में ही इस आयोग को बनाने की जरूरत क्यों सामने आयी? केरल में क्यों सामाजिक सुरक्षा, स्नेह, सुरक्षा की वह छांव लुप्त होती जा रही है, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। क्यों केरल में ही बुजुर्ग सर्वाधिक अकेलेपन एवं एकाकीपन के संत्रास झेलने को विवश हो रहे है? केरल में कई बुजुर्ग लोगों को युवा पीढ़ी के हाथों गरीबी और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रांत में कई गांव ऐसे हैं जहां केवल बुजुर्ग ही बचे हैं, प्रश्न है कि ऐसा क्यों हो रहा है? यूं तो समूचे देश में बुजुर्गों की लगभग यही स्थिति बन रही है, जो सामाजिक व्यवस्था पर एक बदनुमा दाग है।

केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी। हालांकि, 1980 के दशक तक, राज्य ने बाकी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। 2001 तक यह हिस्सा बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत था। 2011 में यह 12.6 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.6 प्रतिशत था। केरल के योजना बोर्ड के अनुसार, 2015 में यह बढ़कर 13.1 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.3 प्रतिशत था। अब, दक्षिणी राज्य में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 4.8 मिलियन लोग हैं। इसके अलावा, बुजुर्ग समूह का 15 प्रतिशत 80 वर्ष से अधिक आयु का है, जो इसे बुजुर्ग लोगों के बीच सबसे तेजी से बढ़ने वाला आयु समूह बनाता है। 60 से अधिक आयु वर्ग में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक है और उनमें से अधिकांश विधवाएं हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बुधवार को पारित इस कानून की सराहना करते हुए कहा कि यह नया आयोग बुजुर्गों के अधिकारों, कल्याण और पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करेगा।

देश में बुजुर्गों की हालत दिन-ब-दिन जटिल होती जा रही है। केरल देश के सबसे शिक्षित राज्यों में शुमार होता है तो बुजुर्गों के प्रति बरती जा रही उपेक्षा, उदासीनता एवं प्रताड़ना में भी सबसे आगे है। लगभग 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ में इसी प्रांत के सर्वाधिक युवा है। भले ही इस प्रांत ने सर्वाधिक शिक्षा से प्रगतिशील सोच दी है, लेकिन अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है, जिससे ही बुजुर्गों की उपेक्षा या उनको उनके हाल पर छोड़ देने की विकृत मानसिकता एवं त्रासदी उभरी है। वृद्धों की उपेक्षा देशभर में देखने को मिल रही है, हाल के वर्षों में केरल के बाद पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा? एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। कुछ वृद्धों के पास तो धन का अभाव भी इस समस्या को विकराल रूप दे रहा है। राज्य में वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही बुजुर्गों के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं।

भारत में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा एवं उदासीनता एक बढ़ती चिंता का विषय है, उनका एकाकीपन एवं अकेलापन उससे बड़ी समस्या है। केरल के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। लेकिन यह वक्त बताएगा कि भ्रष्ट अफसरशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कितना कारगर होगा? लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो समस्या के समाधान की दिशा में रोशनी बनेगा। जरूरत है सरकारी अधिकारी संवेदनशीलता एवं इंसानियत से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करने के लिये आगे आये। केरल की सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु के अनुसार आयोग समृद्ध और निम्न आय वाले दोनों ही परिवारों के वृद्ध व्यक्तियों के शोषण की समस्या का महत्वपूर्ण समाधान करेगा। जो वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, उनकी गरिमा, कल्याण और जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ लोगों को अक्सर स्वास्थ्य में गिरावट, अकेलेपन और वित्तीय असुरक्षा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आवश्यक सहायता प्रदान करने से अधिक समावेशी और दयालु समाज बनाने में मदद मिलती है। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता एवं मनोबल इसमें सहायक बनेगा। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में देश युवा भारत से बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं? क्या केरल की तरह अन्य राज्यों की सरकारें एवं केन्द्र सरकार लगातार बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के लिये ठोस कदम उठायेगी? वसुधैव कुटुम्बकम्- की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी गतदिनों हाईकोर्ट के अनेक फैसलों को पलटते हुए सराहनीय पहल की है। जिनमें अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच पर विराम लगेगा, क्योंकि यह आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है।

संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला में कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि इस तरह परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। ऐसे शर्म को धोने के लिये ही केरल सरकार का वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग बनाना एवं सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील होना एक उजाला बना है, जिससे जीवन की संध्या को कष्टपूर्ण होने से निजात मिलने की उम्मीदें जगी है।

2027 के विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकने की तैयारी में मायावती कर रही है बदलाव

अशोक भाटिया

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में वापस लेने का फैसला लिया है। आकाश के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सार्वजनिक तौर से माफी मांगने पर बुआ मायावती भतीजे पर पिघल गई हैं। उन्होंने आकाश को माफ कर दिया है यानी अब आकाश आनंद की पार्टी में वापसी का रास्ता साफ हो गया है। उनका निष्कासन मायावती ने रद्द कर दिया है। आज संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती है और ऐसे में एक बार फिर आकाश आनंद अपनी बुआ के साथ मंच साझा करते हुए नजर आ सकते हैं। हालांकि मायावती अपने एक फैसले पर अडिग हैं और किसी भी कीमत पर आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी में वापस नहीं ले रही हैं। बसमाजवादी पार्टी सुप्रीमो ने कहा है कि अशोक की गलतियां अक्षम्य हैं, इसलिए उन्हें पार्टी में वापस लेने का सवाल ही पैदा नहीं होता। बता दें कि बसमाजवादी पार्टी सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और अपनी बुआ मायावती से माफी मांगी थी। बता दें कि बीती 3 मार्च को आकाश आनंद को बहिनजी ने पार्टी से निष्काषित किया था।

बसमाजवादी पार्टी सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने पोस्ट किया था किबसमाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश की चार बार रही मुख्यमंत्री और लोकसभा व राज्यसभा की भी कई बार सांसद रहीं मायावती को मैं अपना दिल से एकमात्र राजनीति गुरु और आदर्श मानता हूं। आज मैं प्रण लेता हूं कि बहुजन समाज पार्टी के हित में अपने रिश्ते नातों को और खासकर अपने ससुराल वालों को कतई भी बाधा नहीं बनने दूंगा। यही नहीं बल्कि कुछ दिनों पहले किए गए अपने ट्वीट के लिए भी माफी मांगता हूं, जिसकी वजह से बहन जी ने मुझे पार्टी से निकाल दिया है।

आगे से इस बात को सुनिश्चित करूंगा कि मैं अपने किसी भी राजनीतिक फैसले के लिए किसी भी नाते रिश्तेदार और सलाहकार की कोई सलाह मशविरा नहीं लूंगा और सिर्फ बहन जी के दिए दिशा निदेर्शों का ही पालन करूंगा। पार्टी में अपने से बड़ों की और पुराने लोगों के भी पूरी इज्जत करुंगा और उनके अनुभवों से भी काफी कुछ सीखूंगा। बहन जी से अपील है कि वह मेरी सभी गलतियों को माफ करके मुझे फिर से पार्टी में कार्य करने का मौका दें। इसके लिए मैं सदैव उनके आभारी रहूंगा, साथ ही अब मैं ऐसी कोई भी गलती नहीं करूंगा जिससे पार्टी और बहन जी के आत्म सम्मान व स्वाभिमान को ठेस पहुंचे।

बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश की सियासत में हाशिए पर खड़ी बसमाजवादी पार्टी को मायावती 2027 के पहले एक्टिव होने की तैयारी में जुटी हैं। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को बसमाजवादी पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाने के बाद लगातार एक नए सियासी तेवर में नजर आ रही हैं। बसमाजवादी पार्टी प्रमुख इन दिनों मुस्लिमों से जुड़े हुए मुद्दों को मुखर होकर उठा रही हैं औरभाजपा को कठघरे में खड़ा कर रही हैं। इस तरह से बसमाजवादी पार्टी लगातार राजनीतिक चचार्ओं में बनी हुई है तो मायावती के बदले हुए तेवर के सियासी मायने निकाले जाने लगे हैं? बसमाजवादी पार्टी का चुनाव दर चुनाव आधार सिमटता जा रहा है। बसमाजवादी पार्टी 2024 में खाता नहीं खोल सकी और 2022 केउत्तरप्रदेश चुनाव में सिर्फ एक सीट ही जीत सकी थी। बसमाजवादी पार्टी का वोट शेयर 9.39 फीसदी पर आ गया है। बसमाजवादी पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है और पार्टी का गैर-जाटव दलित वोट पहले ही पार्टी से खिसक गया और अब जाटव वोट में भी सेंध लग गई है। ऐसे में मायावती के लिए बसमाजवादी पार्टी के सियासी वजूद को बचाए रखने की चुनौती खड़ी हो गई है और 2027 के विधानसभा चुनाव उभरने की कवायद में है, जिसके लिए सियासी तानाबाना बुना जाने लगा है।

चुनाव के मद्देनजर मायावती ने हर मंडल में अब चार कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर दिए हैं तो साथ ही दो जिला और दो विधानसभा प्रभारी भी बनाए हैं। मायावती ने बसमाजवादी पार्टी नेताओं से कहा है कि मंडल स्तर पर संगठन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के साथ मुस्लिमों को जोड़ने के मिशन में जुटे। मायावती इसी सियासी कॉम्बिनेशन के साथ 2007 में बहुमत के साथ सरकार बनाने में कामयाब रहीं थी और अब फिर से उसी फॉमूर्ले पर काम कर रही हैं।

सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा था कि इस समय रमजान चल रहे हैं और इसी बीच जल्दी होली का भी त्योहार आ रहा है, जिसे मद्देनजर रखते हुये सहित पूरे देश में सभी राज्य सरकारों को इसे आपसी भाईचारे में तब्दील करना चाहिए तो यह सभी के हित में होगा। अर्थात इसकी आड़ में किसी भी मुद्दे को लेकर कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं। सभी धर्मों के अनुयायियों के मान-सम्मान का बराबर ध्यान रखना बहुत जरूरी। सम्भल की तरह अधिकारियों का गलत इस्तेमाल करना ठीक नहीं तथा इनको कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

बसमाजवादी पार्टी आज कांशीराम जयंती का कार्यक्रम लखनऊ और नोएडा में मनाएगी। मेरठ मंडल के जिलों में पार्टी के लोग नोएडा में कांशीराम जयंती मनाएंगे जबकि लखनऊ मंडल के पार्टी नेता लखनऊ के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इसके अलावा अन्य जिलों में भी पार्टी नेता कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। इस तरह से कांशीराम की जयंती से बसमाजवादी पार्टी मिशन-2027 का आगाज माना जा रही है।मायावती ने साफ निर्देश दिए हैं कि अगले 6 महीने में पार्टी संगठन को न सिर्फ नए सिरे से खड़ा करना है, बल्कि इसे मजबूत करना है। बसमाजवादी पार्टी के कैडर कैंप की बैठकें लगातार जारी है।उत्तरप्रदेश के सभी प्रभारी अपने-अपने जोन की बैठकें कर रहे हैं, ये बैठकें जिला स्तर पर हो रही हैं। इसी बैठक में 2027 के लिए प्रत्याशी का चयन भी किया जा रहा है।

देखा जा रहा है कि मायावती पिछले दस दिनों से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। पहले उन्होंने अपने भतीजे और उत्तराधिकारी आकाश आनंद को पार्टी से निष्कासित किया तो उसके बाद लगातार अपने ट्वीट से चर्चा में हैं। बसमाजवादी पार्टी सुप्रीमो मायावती ने पिछले दिनों रमजान में मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतारे जाने की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। मायावती ने कहा था कि भारत सभी धर्मों को सम्मान देने वाला धर्मनिरपेक्ष देश हैं। ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारों को बिना पक्षपात के सभी धर्मों के मानने वालों के साथ एक जैसा बर्ताव करना चाहिए, लेकिन अब मुसलमानों के साथ धार्मिक मामलों में भी जो सौतेला रवैया अपनाया जा रहा है, यह न्यायसंगत नहीं।

मायावती ने ट्वीट कर कहा कि उत्तराखण्ड सरकार की ओर से पहले कुछ मजारों और धार्मिक स्थलों को ध्वस्त किए जाने के बाद अब राजधानी देहरादून में 11 प्राइवेट मदरसों को सील किए जाने की खबर की चर्चा। सरकार धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने वाली ऐसी द्वेषपूर्ण और गैर सेक्युलर कार्रवाईयों से जरूर बचे। इस तरह से मायावती मुसमलानों के मुद्दे पर खुलकर बोल रही हैं औरभाजपा को आड़े हाथों ले रही हैं। बसमाजवादी पार्टी प्रमुख मायावती के जमीनी स्तर पर सक्रिय न होने का सियासी लाभ 2022 के चुनाव में समाजवादी पार्टी को मिला था तो 2024 में समाजवादी पार्टी -कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में गया था। दलित समाज का बड़ा झुकाव इंडिया गठबंधन के साथ रहा, जिसका नतीजा रहा कि बसमाजवादी पार्टी का खाता नहीं खुला। समाजवादी पार्टी में हुए उथल-पुथल और मायावती की सक्रियता 2027 के चुनाव से जोड़कर देखी जा रही है।मायावती नेआकाश आनंद की जगह रामजी गौतम और रणधीर बेनीवाल को नेशनल कॉआर्डिनेटर नियुक्त किया था।रामजी गौतम 2020 मेंभाजपा की मदद से ही राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। उस समय विधानसभा में बसमाजवादी पार्टी के केवल 19 सदस्य थे, जो राज्यसभा की सीट हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं थे। तब भाजपा ने अपने अतिरिक्त वोट रामजी गौतम को हस्तांतरित कर दिए थे।

बसमाजवादी पार्टी में सियासी बदलाव को 2027 के चुनाव के लिहाज से किए जा रहे प्रयत्न में जाटव वोट किस तरफ जाता है, उससे बहुत कुछ तय होगा।उत्तरप्रदेश में 22 फीसदी दलित वोटर हैं, जिसमें 50 फीसदी से ज्यादा जाटव समाज का वोट हैं। मायावती के सियासी उतार-चढ़ाव के हर दौर में जाटव समाज उनके साथ जुड़ा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों में बसमाजवादी पार्टी का वोट शेयर गिरकर 9।39 फीसदी पर आ गया। इससे साफ जाहिर होता है कि जाटव समाज भी उनसे दूर हो रहा।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संविधान और आरक्षण के मुद्दे पर जाटव कांग्रेस के साथ चले गए थे। समाजवादी पार्टी के सियासी उदय से पहले तक जाटव समाज कांग्रेस के समर्थक रहे थे। यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि दलित एकमत होकर वोट नहीं देते हैं। यही कारण था कि जहां जाटवों ने कांग्रेस का साथ छोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थामा, वहीं वाल्मीकि और पासी जैसे अन्य दलित समुदाय भाजपा की ओर मुड़ गए।2027 के लिए भाजपा के गेम प्लान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मायावती जाटव वोटों का एक बड़ा हिस्सा अपने पास बनाए रखें, ताकि कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनावों में हुए लाभ को बरकरार न रख सके।

प्रकृति का श्रृंगार परिवर्तन और सत्य मानवीय जीवन की ऊर्जा

संजीव ठाकुर

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है कि₹सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीमित ऊर्जा और अतुल्य बल प्रदान कर सकती है₹ यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है। यह तो सत्य है कि सत्य की शक्ति अत्यंत व्यापक एवंसर्वकालीन है।

यह तो सत्य है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि 'सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का 'सांच को आंच नहीं' जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित ₹सत्यमेव जयते₹ आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मों से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है। यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे।

आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है। धन बल पर आधारित इस युग में स्थिति यह बन गई है कि राजनीति, समाज, धर्म ,अध्यात्म ,अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण ,ज्ञान विज्ञान ,जीवन दर्शन सभी अर्थ व धन के निदेर्शों के अनुरूप ही चलन में आ गए हैं। धन के बल पर आज पारिवारिक संबंधों सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा राजनैतिक शक्ति,संतुलन, आध्यात्मिक स्तर पर प्रभाव नैतिक स्तर पर सहमति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं अपितु उन्हें लगभग खरीदने की ताकत रखने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बावजूद सत्य के मूल्य को और उसकी सार्वभौमिकता को दबाना या शांत करना या उसके दमन के लिए उसे विवश करना लगभग असंभव है। वैश्विक स्तर पर कुछ अमीर देश और मुट्ठी भर धनाढ्य व्यक्ति इस बात को मान्यता देते हैं कि जब ,धन बोलता है तो सत्यम मौन रहता है, पर सार्वजनिक रूप से ऐसा मानना तार्किक स्तर पर जरूर ठीक लगता हो पर दार्शनिक अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से यह पूर्ण रूप से असत्य भी है। पारिवारिक सामाजिक स्तर पर भी देखें तो समाज के नैतिक मूल्यों में आई गिरावट के परिणाम स्वरूप सामाजिक प्रतिष्ठा उसी को प्राप्त होती है जिसके पास पर्याप्त तथा अकूत धन हो। धनवान व्यक्ति की विचारधारा उसकी मान्यताओं को समाज महत्व देता है एवं उसे प्रेरणा का स्रोत माना जाता है। निर्धन व्यक्ति कितना भी विद्वान ऊजार्वान हो उसकी बातें सत्य पूर्ण सत्य तथा उदास बातें भी समाज में कई उदाहरणों में महत्वहीन हो जाती है। धन तथा बाहुबल के महत्व के अनेक उदाहरण राजनीतिक स्तर पर प्रतिदिन हमारे सामने आने लगे हैं। राजनीतिक जीवन में धन के बल पर किए जाने वाले भ्रष्टाचार, चुनाव में धांधली, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, पार्टियों पर अनुचित प्रभाव मीडिया चैनल न्यूज प्रिंट मीडिया आदि की खरीदारी सत्य के मूल्यों पर प्रश्नचिन्ह लगा देते हैं। आज धन व सत्ता का अनुचित प्रयोग सत्य का दमन तथा उसे नकारने की शक्ति बन चुका है। कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सर्वे के अनुसार उसके सूचकांक में भारत का निम्न स्थान धन के बल पर सत्ता प्रतिष्ठानों को प्रभावित करने बढ़ती घूसखोरी, सरकारी गैर सरकारी, कारपोरेट जगत के बढ़ते नैतिक पतन को उजागर करता है। विधायिका, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका सभी स्तरों पर सत्य के मूल्य के दमन की घटनाओं से आज अखबार अटा पड़ा है। आज की स्थिति में निचले स्तर से उच्च स्तर की अदालतों तक न्याय पाने के लिए महंगे वकील करने के लिए धन की अत्यंत आवश्यकता होती है, न्याय भी अब धन पर आधारित हो गया है। न्याय पाना अब गरीबों का हक नहीं रह गया है,यह केवल अमीर लोगों की मुट्ठी में बंद होकर रह गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिखने वाली बराबरी अनेक बार सत्य को दबाकर दादागिरी के बल पर अमीर देशों की जिद की भेंट चढ़ जाती है। अमीर देशों की धन के दम पर दादागिरी कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों में दिखाई देती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन पर होने वाले वैश्विक सम्मेलन इसीलिए भी असफल होते दिखाई दिए हैं। क्योंकि अमीर देश कार्बन उत्सर्जन की मात्रा की जिम्मेदारी ज्यादा जनसंख्या वाले विकासशील देशों के सिर पर डाल देते हैं। सत्य की मनमानी व्याख्या आधुनिक युग की सच्चाई है सत्य का दमन इस स्तर पर पहुंच चुका है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत स्तर पर दिन में कितनी बार धनबल के दबाव में अपने अंतःकरण से समझौता कर अपनी सहज प्रवृत्ति का दमन करने से नहीं चूकता है।

जब बाबा साहब ने किया था संघ के शिविरों का दौरा, एक घंटे तक दलितों और उनके उत्थान पर की चर्चा

आज जब कहा जाता है कि बाबा साहब भी संघ की शाखा पर आए थे, तो लोग आश्चर्य व्यक्त करते हैं। परंतु, यह सत्य है। यह भी याद रखें कि संघ के प्रति बाबा साहेब के मन में कभी कोई दुराग्रह या नकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रहा है। अवसर आने पर उन्होंने संघ के संबंध में सद्भाव ही प्रकट किए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकताओं एवं अधिकारियों के मन में भी बाबा साहेब के प्रति श्रद्धा का भाव है। संघ के कार्यकर्ता एकात्मता स्त्रोत में प्रतिदिन बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का स्मरण करते हैं।

संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों में बहुत हद तक साम्य है। विशेषकर, हिन्दू समाज में काल के प्रवाह में आई अस्पृश्यता को दूर करने के लिए जिस प्रकार का संकल्प बाबा साहब के विचारों में दिखायी देता है, उसके दर्शन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य में प्रत्यक्ष रूप से होते हैं। यही कारण है कि संघ और बाबा साहब प्रारंभ से, अप्रत्यक्ष रूप से एक-दूसरे के निकट रहे हैं। यह तथ्य बहुत कम ही सामने आया है कि डॉ. अंबेडकर ने संघ की शाखा एवं शिक्षा वर्गों में जाकर स्वयंसेवकों को संबोधित भी किया है और संघ के पदाधिकारियों से संघ कार्य की जानकारी भी प्राप्त की थी। इसलिए आज जब कहा जाता है कि बाबा साहब भी संघ की शाखा पर आए थे, तो लोग आश्चर्य व्यक्त करते हैं। परंतु, यह सत्य है। यह भी याद रखें कि संघ के प्रति बाबा साहेब के मन में कभी कोई दुराग्रह या नकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रहा है। अवसर आने पर उन्होंने संघ के संबंध में सद्भाव ही प्रकट किए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकताओं एवं अधिकारियों के मन में भी बाबा साहेब के प्रति श्रद्धा का भाव है। संघ के कार्यकर्ता एकात्मता स्त्रोत में

प्रतिदिन बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का स्मरण करते हैं।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सन 1935 में पुणे में आयोजित महाराष्ट्र के पहले संघ शिक्षा वर्ग में आए थे। दरअसल, वे अपने व्यवसाय के निमित्त दापोली गए, तब वहाँ की शाखा पर भी गए और स्वयंसेवकों के साथ खुलेमन से चर्चा की। इसका उल्लेख भारतीय मजदूर संघ सहित अनेक सामाजिक संगठनों के संस्थापक रहे विचारक दत्तोपंत ठेंगठी ने अपनी पुस्तक डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा में किया है। इसके साथ ही बाबा साहब डॉ. अंबेडकर से जुड़े रहे पूर्व लोकसभा सांसद बालासाहेब सालुंके ने भी इसका उल्लेख किया है। उनके पुत्र काश्यप सालुंके ने भानुदास गायकवाड़ के साथ मिलकर बालासाहेब सालुंके के संस्मरणों एवं विचारों का संकलन किया है-आमचं सायेब : दिवंगत खासदार बालासाहेब सालुंके। इस पुस्तक के पृष्ठ 25 और 53 पर डॉ. अंबेडकर और आएसएस के संदर्भ में उपरोक्त उल्लेख आते हैं। याद रहे कि बाला साहेब सालुंके और उनके पुत्र काश्यप सालुंके का संघ से कोई संबंध नहीं है।

सन 1937 में करहाड शाखा (महाराष्ट्र) के विजयादशमी उत्सव पर बाबा साहब का भाषण हुआ। सन 1939 में एक बार फिर बाबा साहब पुणे के संघ शिक्षा वर्ग के सायंकाल के कार्यक्रम में आए थे। यहाँ उनकी भेंट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक एवं तत्कालीन सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से हुई। इस अवसर पर एक प्रेरणादायी प्रसंग घटित हुआ, जो आज में हमें दिशा देता है। वर्ग में शामिल स्वयंसेवकों के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए बाबा साहब ने डॉ. हेडगेवार से पूछा- इनमें अस्पृश्य कितने हैं? डॉ. हेडगेवार ने कहा- चलो, घूम कर देखते हैं। बाबा साहब बोले- इनमें अस्पृश्य तो कोई दिख नहीं रहा। डॉ. हेडगेवार ने कहा- आप पूछ लें। बाबा साहब ने पूछा- आप में से जो अस्पृश्य हों, वे एक कदम आगे आ जाएं। उस पंक्ति में से एक भी स्वयंसेवक आगे नहीं आया। बाबासाहब ने कहा- देखा, मैं पहले ही कहता था। इस पर डॉ. हेडगेवार ने कहा- ह्यहमारे यहाँ यह बताया ही नहीं जाता कि आप अस्पृश्य हैं। आप अपनी अभिप्रेत जाति का नाम लेकर उनसे पूछें। तब बाबासाहब ने स्वयंसेवकों से प्रश्न किया-इस वर्ग में कोई हरिजन, मांग, चमार हो, तो एक कदम आगे आए। ऐसा कहने पर कई स्वयंसेवकों ने कदम आगे बढ़ाया। उनकी संख्या सौ से ऊपर थी। सन 1940 में भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पुणे में संघ की शाखा में गए थे। यहाँ स्वयंसेवकों के समक्ष अपने विचार प्रकट किए। इस संबंध में हाल ही में विश्व संवाद केंद्र, विदर्भ ने 9 जनवरी 1940 को प्रकाशित प्रसिद्ध मराठी दैनिक समाचारपत्र केसरी की प्रति साझा की है। केसरी में प्रकाशित समाचार के अनुसार, बाबा साहब ने संघ के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा- कुछ बातों पर मतभेद हो सकते हैं। लेकिन संघ की तरफ अपनत्व की भावना से देखता हूँ। बाबा साहब के इस वाक्य से स्पष्ट है कि वे संघ के कार्य को अपना कार्य समझते थे। संभवतः उन्हें इस बात की प्रसन्नता रही होगी कि जिस काम को उन्होंने हाथ में लिया है, संघ के स्वयंसेवक उसे जमीन पर उतारने में बड़ा सहयोग दे रहे हैं।

बाबा साहब का संबंध संघ के साथ लंबे समय तक बना रहा। संघ पर लगे पहले प्रतिबंध को हटाने में बाबा साहब का जो सहयोग एवं परामर्श मिला, उसके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए तत्कालीन सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर श्रीगुरुजी ने सितंबर-1949 में बाबा साहब से दिल्ली में भेंट की। अर्थात बाबा साहब डॉ. अंबेडकर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आपसी संपर्क-संवाद चलता रहा।

-लोकेन्द्र सिंह

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने मनाई डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर की 134वीं जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की 134 वीं जयंती सोमवार 14 अप्रैल 2025 को रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले गुट) बोईसर विभाग की ओर से बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाई गई। यह कार्यक्रम मधुर होटल, बोईसर के समीप स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक पर आयोजित किया गया, जहां बाबासाहेब की प्रतिमा को पुष्पहार अर्पित कर उन्हे नमन किया गया ।कार्यक्रम का आयोजन आर.पी.आई.(आ)ठाणे-पालघर युवा विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सचिन लोखंडे के नेतृत्व में किया गया। इस आयोजन में जनार्दन चांदणे, नरेंद्र करणकाळे, रिपाई के कार्यकर्ता और गुंदवली ग्रामस्थों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

इस जयन्ती कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में बोईसर पुलिस थाने के प्रभारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शिरीष पवार उपस्थित थे ।उनके साथ पालघर जिला शिवसेना संपर्क प्रमुख प्रभाकर राऊल, शिवशक्ति संगठन के नेता संजय पाटिल, भाजपा नेता अशोक वडे, राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता संतोष मराठे, शिवसेना के मुकेश पाटिल, पूर्व जिला परिषद सदस्य महेंद्र भोने, पूर्व सरपंच लक्ष्मीताई चांदणे, सरावली के सरपंच आनंद धोडी, उपसरपंच शुभम वडे, शिवसेना के अतुल देसाई, ग्रामपंचायत सदस्य राकेश परदेशी, समाजसेवक दिनेश पवार, राष्ट्रवादी के रविंद्र संखे, अजय करणकाले और बोईसर के पूर्व डीवायएसपी के.एस. हेगाजे जैसे अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम का सूत्र संचालन सिद्धेश जाधव ने किया। शिव शंभु प्रतिष्ठान के महेश नागणे और मंगेश नागणे का भी सराहनीय सहयोग मिला।

पालघर जिले में स्वास्थ्य जांच मुहिम के अंतर्गत कैंसर निदान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की महत्वाकांक्षी पहल के अंतर्गत, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर की संकल्पना से पूरे राज्य में 1 मार्च से 31 मार्च 2025 तक मुख स्वास्थ्य जांच मुहिम चलाई गई। इस अभियान के अंतर्गत पालघर जिले में विभिन्न स्थानों पर कैंसर निदान शिविरों का आयोजन किया गया। यह शिविर उपजिला अस्पताल डहाणू, ग्रामीण अस्पताल जव्हार, पालघर, विक्रमगड, तलासरी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जामसर, सोमटा, सातपाटी, नवघर, भाताणे, कुडूस, दांडी और सफाले में आयोजित किए गए। अब तक इस मुहिम के दौरान कुल 2,956 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 30 मरीजों में कैंसर के पूर्वलक्षण पाए गए हैं। इन मरीजों को आगे की जांच और उपचार के लिए टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल और सेलवासा भेजा गया है। जबकि 4 मरीजों को बायोप्सी के लिए संदर्भित किया गया है। शिविर के दौरान जिला सर्जन डॉ. रामदास मराड, अतिरिक्त जिला सर्जन डॉ. सचिन वाघमारे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, एनसीडी नोडल अधिकारी व मुहिम के समन्वयक डॉ. सागर नागरे, तथा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की सामाजिक कार्यकर्ता अंजूबाई चौधरी उपस्थिति रही। इस अवसर पर तंबाकू सेवन, गुटखा, पान मसाला और सुगंधित सुपारी के स्वास्थ्य पर होने वाले घातक प्रभावों को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही नशामुक्ति के लिए परामर्श सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें अंजू चौधरी ने मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. योगेश फेगडे, डॉ. मीरा भुयार, डॉ. पूर्वा मंत्री, डॉ. प्रवीण इंगले और डॉ. गुलाम नवावाला का विशेष योगदान रहा। इस महत्त्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने हेतु सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और सामाजिक कार्यकताओं ने अथक परिश्रम किया।

समाज कल्याण विभाग द्वारा मनाई गई डॉ.बाबासहेब आंबेडकर की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने और उनमें जनजागृति लाने के उद्देश्य से हर वर्ष भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक पालघर जिले में सामाजिक समता सप्ताह का आयोजन किया गया। 14 अप्रैल 2025 को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 134 वीं जयंती सहायक आयुक्त, समाज कल्याण, पालघर कार्यालय में धूमधाम से मनाई गई। इस कार्यक्रम में जिला जाति प्रमाणपत्र जांच समिति, पालघर के उपायुक्त विशाल नाईक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन सहायक आयुक्त, समाज कल्याण, पालघर पांडुरंग वाबले ने किया। इस विशेष कार्यक्रम में समाज कल्याण कार्यालय और जिला जाति जाँच समिति कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी ने डॉक्टर बाबासाहेब आम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे नमन किया।

अवैध अतिक्रमण को संरक्षण देना सहायक आयुक्त कांचन गायकवाड़ को पड़ा भारी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। दरअसल यह मामला प्रकाश में आया है कि, मिरा रोड स्थित मौजा भायंदर सर्वे क्रमांक 531(1) जूना नया सर्वे क्रमांक 64(1) पर रवि ग्रुप द्वारा न्यू मिरा पैराडाइज सोसायटी नामक इमारत बनाई गई है, जिसमें अवैध निर्माण तथा खराब रख रखाव के चलते यह धोखा दायक बनती जा रही है। इसको लेकर वरिष्ठ सूचना अधिकार कार्यकर्ता श्री संतोष तिवारी द्वारा ठाणे कलेक्टर को अनेकों पत्र लिखे गए, जिसे माननीय कलेक्टर कार्यालय से निरंतर मनपा आयुक्त मिरा भायंदर को हमेशा कार्यवाही करने हेतु कलेक्टर द्वारा कारवाही कर रिपोर्ट मांगा जाता रहा था। वैसे भी मिरा भायंदर महानगर पालिका अपने भ्रष्टाचार को लेकर संपूर्ण विख्यात है। इसी इमारत में पूर्व विधायक मिरा भायंदर का चमचा या गुर्गा शर्मा का रहवासी इमारत में एक व्यवसायिक गाला भी अवैध रूप से निर्माण कराया गया परंतु रसुख के चलते कोई कुछ बोलने से घबराता है और अधिकारी द्वारा हमेशा इस इमारत में बने अवैध बांधकाम पर कोई अधिकारी कार्यवाही करने से घबराता है। आप को जानकारी हेतु अवगत कराना यह है कि मिरा भायंदर में प्रतिनियुक्ति पर आए सभी अधिकारी यहां अपने आपको आई ए एस अधिकारी से कम नहीं समझते तथा घमंड के कारण यह जनता से सीधे मुंह बात तक नहीं करते है इसी कड़ी में सहायक आयुक्त श्रीमती कांचन गायकवाड़ कुछ अछूती नहीं रही थी। सन 2021, 2022 में वरिष्ठ सूचना अधिकार कार्यकर्ता संतोष कुमार तिवारी ने अपील क्रमांक 1001,1002,1162, 11165 के तहत इस इमारत में बने अवैध बांधकाम के विषय में कुछ जानकारियां मांगी गई थी, उस समय श्रीमती कांचन गायकवाड़ सहायक आयुक्त प्रभाग क्रमांक 4 में तैनात थी, सूचना ना मिलने के कारण प्रथम अपील उपयुक्त मुख्यालय मारुति गायकवाड़ के पास सुनवाई के दौरान जनसूचना अधिकारी श्रीमती कांचन गायकवाड़ को 15 दिनों में मांगी गई सूचना उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। अनेकों बार श्री तिवारी द्वारा संपर्क करने पर घमंड के चलते श्रीमती कांचन गायकवाड़ ने जवाब देना मुनासिब नहीं समझा इस कारण संतोष तिवारी को महाराष्ट्र राज्य सूचना आयोग कोंकण डिविजन में द्वितीय अपील दायर करनी पड़ी थी।

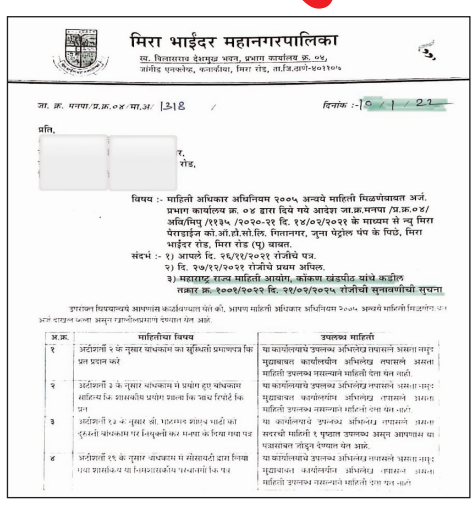

मिरा भाईंदर महानगरपालिका
स्व. विलासराव देशमुख भवन, प्रभाग कार्यालय क्र. ०४,
जांगीड एनक्लेव्ह, कनाकीया, मिरा रोड, ता.जि.ठाणे-४०११०७

जा. क्र. मनपा/प्र.क्र.०४/मा.अ/ 1318 / दिनांक :- 10 / 1 / 22

प्रति,
र.,
रोड,

विषय :- माहिती अधिकार अधिनियम २००५ अन्वये माहिती मिळणेबाबत अर्ज. प्रभाग कार्यालय क्र. ०४ द्वारा दिये गये आदेश जा.क्र.मनपा /प्र.क्र.०४/ अवि/मिपु /११३५ /२०२०-२१ दि. १४/०२/२०२१ के माध्यम से न्यु मिरा पैराडाईज को.ऑ.हो.सो.लि. गितानगर, जुना पेट्रोल पंप के पिछे, मिरा भाईंदर रोड, मिरा रोड (पु) बाबत.

संदर्भ :- १) आपले दि. २६/११/२०२१ रोजीचे पत्र.
२) दि. २७/१२/२०२१ रोजीचे प्रथम अपिल.
३) महाराष्ट्र राज्य माहिती आयोग, कोंकण खंडपीठ यांचे कडील तक्रार क्र. १००१/२०२२ दि. २१/०२/२०२५ रोजीची सुनावणीची सुचना

उपरोक्त विषयान्वये आपणांस कळविण्यात येते की, आपण माहिती अधिकार अधिनियम २००५ अन्वये माहिती मिळणेबाबत अर्ज दाखल केला असून खालीलप्रमाणे देण्यात येत आहे.

अ.क्र.	माहितीचा विषय	उपलब्ध माहिती
१	अटीशर्ती २ के नुसार बांधकाम का सुस्थिती प्रमाणपत्र कि प्रत प्रदान करे	या कार्यालयाचे उपलब्ध अभिलेख तपासले असता नमुद मुद्याबाबत कार्यालयीन अभिलेख तपासले असता माहिती उपलब्ध नसल्याने माहिती देता येत नाही.
२	अटीशर्ती ३ के नुसार बांधकाम मे प्रयोग हुए बांधकाम साहित्य कि शासकीय प्रयोग शाला कि जाच रिपोर्ट कि प्रत	या कार्यालयाचे उपलब्ध अभिलेख तपासले असता नमुद मुद्याबाबत कार्यालयीन अभिलेख तपासले असता माहिती उपलब्ध नसल्याने माहिती देता येत नाही.
३	अटीशर्ती १३ के नुसार श्री. मोहम्मद शोएब भाटी का दुरुस्ती बांधकाम पर नियुक्ती कर मनपा के दिया गया पत्र	या कार्यालयाचे उपलब्ध अभिलेख तपासले असता सदरची माहिती १ पृष्ठात उपलब्ध असुन आपणास या पत्रासोबत जोडुन देण्यात येत आहे.
४	अटीशर्ती १९ के नुसार बांधकाम मे सोसायटी द्वारा लिया गया शासकिय या निमशासकीय परवानगी कि पत्र	या कार्यालयाचे उपलब्ध अभिलेख तपासले असता नमुद मुद्याबाबत कार्यालयीन अभिलेख तपासले असता माहिती उपलब्ध नसल्याने माहिती देता येत नाही.

30/1/2025 को सुनवाई के दौरान राज्य सूचना आयोग ने श्रीमती कांचन गायकवाड़ को खुलासा के साथ 13/3/25 को हाजिर रहने का आदेश दिया था। 13/3/25 को श्रीमती कांचन गायकवाड़ ने अपने खुलासे में गुमराह करते हुए आयोग को यह कहा कि हमने सन 2022 में ही सूचना बनाकर श्री संतोष तिवारी को देने के लिए रखा था काम में व्यस्थता के कारण उन्हें यह नहीं दिया जा सका था। इस पर श्री तिवारी ने कठोर आक्षेप लेते हुए आयोग के समक्ष यह तथ्य रखा कि श्रीमती कांचन गायकवाड़ यह झूठ बोल कर आयोग को गुमराह कर रही है। यदि यह दस्तावेज सन 2022 में मुझे देने के लिए बनवाया गया था तो क्या श्रीमती कांचन गायकवाड़ को यह तीन वर्ष पूर्व यह कैसे ज्ञात हुआ कि आज 13/3/25 को आयोग के समक्ष सुनवाई है और उसका संदर्भ कैसे अपने खुलासे में डाला है। अर्थात यह 2022 में नहीं बल्कि तत्काल में यह दस्तावेज बनाकर आयोग को गुमराह कर रही है, और वर्तमान में यह प्रभाग अधिकारी प्रभाग क्रमांक 4 मिरा भायंदर महानगर पालिका में तैनात भी नहीं है इस कारण यह दस्तावेज नकली और बनावटी है। इस को संज्ञान में लेते हुए 1001,1002/2022 में आयुक्त मिरा भायंदर को यह आदेशित किया गया कि उपरोक्त दोनों अपील में बनावटी दस्तावेज के कारण श्रीमती कांचन गायकवाड़ सहायक आयुक्त पर विभागीय जांच कि जाए तथा चारों अपील में 25000 रुपए कुल 100000 एक लाख रुपए पांच समान किस्तों में काटकर वसूल किया जाए और आयुक्त मिरा भायंदर छह सप्ताह में विभागीय जांच कर आयोग के समक्ष रिपोर्ट रखे। तथा वर्तमान जन सूचना अधिकारी सहायक आयुक्त श्री लेवड़े 29 अप्रैल 2025 को सूचना देते हुए आयोग के समक्ष हाजिर हो यदि नहीं सूचना देते है या हाजिर न होने पर श्री लेवड़े पर कारवाही की जा सकती है।

अब देखना है कि यह बात कितने दूर तक जाती है। यह आदेश होली की पूर्व संध्या पर श्री कांचन गायकवाड़ को उपहार स्वरूप दिया गया।

20/3/25 को अपने अच्छे पकड़ के कारण श्रीमती कांचन गायकवाड़ सहायक ने अपना तबादला अकोला करवा लिया। अब देखना यह है कि आयुक्त मिरा भायंदर क्या श्रीमती कांचन गायकवाड़ को दोनों विभागीय जांच में क्या मिरा भायंदर बुलाने में सक्षम हो पाते है या नहीं।

मुंबई में चिल्ड्रेंस ताइक्वांडो यूनियन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न हुई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चिल्ड्रंस ताइक्वांडो यूनियन द्वारा आयोजित पहली राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप प्रतियोगिता मुंबई के अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से 400 से 500 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में क्योरागी, पूमसे, स्पीडकिकिंग और वीआर (वर्चुअल रियलिटी) शामिल थे। वी.आर. (वर्चुअल रियलिटी) को पहली बार मुम्बई में सभी आयु समूहों के लिए पेश किया गया और यह काफी सफल रहा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन के लिए चिल्ड्रंस ताइक्वांडो यूनियन के अध्यक्ष शिवराम मखवाना को कोच जयेश वेल्हाल से सहयोग मिला। इस प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गयी।

फालूदा की गाड़ी चोरी करने वाले गैंग के 3 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई एक चोरी ऐसी भी, जी हां चोरी तो आपने बहुत देखी और सुनी होगी। लेकिन फालूदा की गाड़ी चोरी करने का अनोखा मामला सामने आया। मुंबई के दहिसर पश्चिम तावड़ेवाड़ी दीपा बार के पास 11 अप्रैल को रात में 2.5 लाख कीमत की फालूदा की गाड़ी अचानक चोरी हो गई।

टळ्ढ पुलिस को चोरी की जानकारी मिलने पर मामले को गंभीरता से लेते हुवे मामला दर्ज कर मामले की जांच सुरु की। तांत्रिक विश्लेषण और उउळ्श की मदद से आरोपीयो द्वारा बोरिवली में एक और फालूदा की गाड़ी चोरी करने की जानकारी मिली।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महेश बलवंतराव के आदेश पर जांच अधिकारी पुलिस उपनिरीक्षक संदीप गोराडे ने दहिसर पश्चिम में जाल बिछाया। दूसरी फालूदा की गाड़ी की चोरी की वारदात से पहले 3 चोरो को गिरफ्तार कर लिया गया। चोरो ने फालूदा की गाड़ी चोरी करने के लिए पिकउप गाड़ी में फालूदा की गाड़ी लोडकर चोरी किया और फालूदा की गाड़ी को ट्रेन में कुरियर कर कलकत्ता भेज दिया। टळ्ढ पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपियों ने अब तक 2 फालूदा की गाड़ियों की चोरी की है। एक गाड़ी को कलकत्ता भेज दिया और दूसरी गाड़ी उनके पास से बरामद कर लिया गया। कलकत्ता से भी फालूदा की गाड़ी वापस लाया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम जीतमल माधुलाल जाट (18), कैलाश भेरुलाल मेघवाल (22) और लोकेश कुमार मांगेलाल मेघवाल (21) है। तीनो आरोपी कांदिवली पश्चिम और मूल रूप से उदयपुर राजस्थान के रहने वाले हैं। टळ्ढ पुलिस आरोपीयो से यह जांच कर रही है कि आरोपियों ने मुंबई में और कहां-कहां फालूदा की गाड़ियों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

पत्रकार व कथाकार प्रणव प्रियदर्शी हुए सम्मानित

मुंबई। प्रतिष्ठित लेखकों, पत्रकारों और गणमान्य वरिष्ठ लोगों की उपस्थिति में बहुत ही शानदार रहा ' अपने प्रिय लेखक से मिलिये ' कार्यक्रम। पूरा चार दशक उभर आया था सभाकक्ष में बता दें कि शनिवार को वरिष्ठ पत्रकार प्रणव प्रियदर्शी की नई पुस्तक का विमोचन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपने प्रिय लेखक से मिलिए कार्यक्रम में पूरा चार दशक उभर आया। इस दौरान युनूस खान ने उस दौर की बातचीत में प्रणव को ले जाकर बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल किये और प्रणव नें भी उत्तर में अपने खट्टे मीठे अनुभवों को खुलकर शेयर किया । वरिष्ठ पत्रकार धीरेन्द्र अस्थाना की उपस्थिति और संक्षिप्त पर बहुत ही महत्वपूर्ण वक्तव्य से उन्होंनें उस दौर की यादों से उन दिनों को याद किया ।श्रोताओं में वरिष्ठ पत्रकार द्विजेन्द्र तिवारी , वरिष्ठ पत्रकार राकेश दुबे प्रि. लालजी सिह ,आर के सिंह विनोद राय ,डॉ रमेश गुप्त मिलन, सुधीर मजुमदार, आर डी बी तिवारी ,पुरुषोत्तम सिंह, ए .एल सिंह, मुख्तार खान ,शायर मुस्तहसन

अज्म समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे ।दीनदयाल मुरारका नें अतिथियों का शाल व पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया अतिथि लेखक प्रणव प्रिय दर्शी को श्री गणेश की प्रतिमा भेंट कर उनका अभिनंदन किया ।प्रारंभ में स्वर संगम फाऊंडेशन की ओर से हृदयेश मयंक नें सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और प्रणव की नई पुस्तक के लिए उन्हें बधाई दी ।कुल मिलाकर यह आयोजन एक यादगार आयोजन में बदल गया । हृदयेश मयंक और दीनदयाल मुरारका जी नें संयुक्त रूप से सबके प्रति आभार प्रकट किया ।

फॉक्सवैगन इंडिया ने नई 'टिगुआन आर-लाइन' लॉन्च की

मुंबई। फॉक्सवैगन इंडिया ने आज भारत में ब्रांड की प्रमुख एसयूवी, नई टिगुआन आर-लाइन को लॉन्च किया। यह तीसरी पीढ़ी की टिगुआन है, जो दुनिया भर में फॉक्सवैगन की सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ियों में से एक है। इस नए मॉडल को टदइ ए५ङ्ख प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है, जिसमें आधुनिक चेसिस है। नई टिगुआन आर-लाइन शानदार ड्राइविंग अनुभव और बेहतरीन परफॉर्मेंस देती है, जो भारतीय ग्राहकों के लिए फॉक्सवैगन की प्रतिबद्धता को दिखाता है। फॉक्सवैगन इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, श्री आशीष गुप्ता ने कहा, आज नई टिगुआन आर-लाइन के लॉन्च के साथ हम भारत में फॉक्सवैगन के एक नए और रोमांचक दौर की शुरूआत कर रहे हैं। यह दौर फॉक्सवैगन की प्रीमियम और आधुनिक गाड़ियों के भविष्य को दशार्ता है। यह शानदार रवश्ह स्टाइलिश और डायनैमिक होने के साथ ही आधुनिक भी है। इसे हर तरह के रास्तों पर बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बनाया गया है। जर्मन इंजीनियरिंग, 5-स्टार सेफ्टी और मजेदार ड्राइविंग अनुभव के साथ, नई टिगुआन आर-लाइन रोमांच के लिए पूरी तरह तैयार है। नई टिगुआन आर-लाइन को 6 खास रंगों - पर्सिमोन रेड मेटैलिक, सिप्रेसिनो ग्रीन मेटैलिक, नाइटशेड ब्लू मेटैलिक, ग्रेनेडिला ब्लैक मेटैलिक, मदर ऑफ पर्ल इफेक्ट के साथ

ओरिक्स व्हाइट और ऑयस्टर सिल्वर मेटैलिक में उतारा जाएगा। ग्राहक बियॉन्ड बेटर; टिगुआन आर-लाइन को 48.99 लाख रुपये की विशेष शुरूआती कीमत पर खरीद सकते हैं, जिसकी डिलीवरी भारत में फॉक्सवैगन डीलरशिप नेटवर्क पर 23 अप्रैल, 2025 से शुरू होगी।

शानदार डिजाइन: नई टिगुआन आर-लाइन का डिजाइन सुंदरता और उपयोगिता का शानदार मेल है। इसके सामने की तरफ एलईडी प्लस हेडलाइट्स और ग्लास से ढकी हॉरिजेंटल स्ट्रिप के साथ आकर्षक और दमदार लुक दिया गया है। आर-लाइन में ह्यफसे प्रेरित 19 इंच के कोवेंट्री अलॉय व्हील हैं, जो डायमंड-टर्न्ड डिजाइन में आते हैं। पीछे की तरफ नई हॉरिजेंटल एलईडी स्ट्रिप के साथ खास रियर डिजाइन है। गाड़ी के अंदर फ्रंट स्पोर्ट सीटों पर ह्यफ डिजाइन और डैशबोर्ड पर चमकदार ह्यफलोगो है। यह एसयूवी 30 रंगों की एम्बिएंट लाइटिंग, पैनोरमिक सनरूफ, रोशनी वाले डोर हैंडल, स्टेनलेस स्टील पैडल और वेलकम लाइट के साथ सराउंड लाइटिंग से सुसज्जित है। बिल्कुल नई टिगुआन आर-लाइन हर तरह की ड्राइव में शानदार अनुभव प्रदान करती है। मसाज फंक्शन वाली सीटें और एडजस्टेबल लुम्बर सपोर्ट जैसी सेगमेंट में अग्रणी विशेषताओं से सुसज्जित, बिल्कुल नई टिगुआन आर-लाइन बेहतरीन कम्?फर्ट प्रदान करती है। एयर-केयर क्लाइमेट्रॉनिक (3-जोन एयर-कंडीशनिंग), पार्क डिस्टेंस कंट्रोल के साथ पार्क असिस्ट प्लस और 2 स्मार्ट फोन के लिए इंडक्टिव चार्जिंग जैसी सुविधाएं, खास आराम और सुविधा प्रदान करती हैं।

मानस परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा विशाल भंडारा और अखण्ड रामचरितमानस पाठ हुआ सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)।श्रीराम मंदिर निर्माण के संकल्प पूर्ण होने पर मानस परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ एवं महाप्रसाद का आयोजन श्री धाम अयोध्या में किया गया. जिसमें मुंबई महाराष्ट्र से लगभग 250 मानस मंडल के प्रतिनिधि अयोध्या के सुग्रीव किला में छह दिवसीय कार्यक्रम के उपरांत श्री हनुमानजी के जन्मोत्सव पर अखंड रामायण पाठ एव भण्डारा का आयोजन किया गया. जिसमे हजारो मानस परिवार के सदस्यों के साथ अयोध्या के साधू संतो महंतो, वेदपाठी विद्यर्थियों को दान दछिना देकर महाप्रसाद ग्रहण कराया गया. पिछले वर्ष भी भव्य आयोजन किया गया था जिसकी प्रसंसा श्री धाम

अयोध्या से लेकर महाराष्ट्र तक चर्चा का विषय बना हुआ था जिसे देखते हुए इस वर्ष भी आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में सुग्रीव किला के महंत जी के नेतृत्व में मेयर गिरीशपति त्रिपाठी के अलावा कई गणमान्य सामिल हुए. संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोदकुमार पाण्डेय ने अपने वरिष्ठ सहयोगी सभाजीत मिश्रा, संजय गुप्ता तथा रविन्द्रप्रसाद पाण्डेय, सुरेन्द्र तिवारी,जयप्रकाश प्रजापति, मुंबई अध्यक्ष सूर्यकुमार तिवारी के अलावा मुंबई टीम के सैकड़ो युवा पदाधिकारियों ने अपने अथक परिश्रम से कार्यक्रम को सफल बनाया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अम्बेडकर जयंती पर झण्डा लगाकर लौट रहे युवकों से हुई मारपीट, चार घायल

प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायल जिला अस्पताल रेफर

मामले में चार आरोपितों पर एससी एसटी का मुकदमा दर्ज

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के भारती विद्यापीठ वार्ड में सोमवार को बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर जुलूस के रास्ते झण्डा लगाकर रहे युवकों से बीच रास्ते में नोक-झोंक हो गयी और मारपीट होने लगा। जिसमें एक से पक्ष से चार लोग घायल हो गई।सूचना पाकर मौके पर पहँची ने सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी ले गए। जहाँ डॉक्टर ने सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जाता है कि अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य पर उक्त वार्ड निवासी पवन कुमार, मनीष कुमार, गुड्डू एवं प्रिंस जुलूस के रास्ते में पड़ने वाले बिजली के खम्भे पर झण्डा, बैनर लगा रहे थे, जिसको मोहल्ले के सिराज व उनके पुत्रों द्वारा मना किया गया। जिसको लेकर बात बिगड़ गई और मारपीट तथा ईट-पत्थर चलने लगा। जिसमें एक पक्ष से पवन कुमार, मनीष कुमार, गुड्डू एवं प्रिंस घायल हो गए। मौके पर पहुँची पुलिस ने स्थिति को काबू कर लिया और सभी घायलों को उपचार हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सोंधी पहुँचा।जहाँ डॉक्टरों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वही दूसरे पक्ष का आरोप है कि झण्डा लगाकर वापिस आ रहे युवकों ने सैफ पुत्र सिराज कान में ईयरफोन लगाकर जा रहा था तभी झण्डा लगाकर वापिस लौट रहे बाइक सवारों ने हॉर्न बजाकर रास्ता मांगा तो ईयरफोन कान में लगा होने से सुन न सका, जिससे बाइक की युवक से टक्कर हो गई, और बात बिगड़ थी। घटना में ईंट-पत्थर चलने से एक स्विफ्ट डिजायर कार, स्कार्पियो क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मोहम्मद सिराज पुत्र मोहम्मद अब्बास समेत मोहम्मद सालिम, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद साजिद पुत्रगण सिराज निवासीगण भारती विद्यापीठ के खिलाफ एससी, एसटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उक्त आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। सभी आरोपितों को थाने लाकर विधिक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय, उपनिरीक्षक अनिल कुमार पाण्डेय, हेडकांस्टेबल संजय पाण्डेय, अम्बिका यादव शामिल रहे।

धूमधाम से मनायी गयी डा.भीमराव अम्बेडकर की जयंती

राज्यमंत्री समेत भाजपा नेताओं ने पुष्पांजलि किया अर्पित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर की जयंती राजकीय सम्मान के साथ धूमधाम से मनायी गयी। राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशू, पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र सहित अन्य के द्वारा अम्बेडकर तिराहे पर स्थित अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर अम्बेडकर तिराहे पर आयोजित गोष्ठी में बाबा साहब के जीवन दर्शन, उनके नैतिक मूल्यों, आदर्शों, भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम तथा संविधान में उनके अतुलनीय योगदानों को याद करते हुए उन्हे नमन किया गया। राज्यमंत्री ने भारतीय संविधान के रचयिता बाबा साहब की जंयती के अवसर पर नमन करते हुए कहा कि निश्चित रूप से बाबा साहब के द्वारा संविधान निर्माण में दिये योगदान ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा है। उन्होने सामाजिक समरसता के क्षेत्र में जो कार्य किया उसी के फलस्वरूप देश में आये परिवर्तन ने हमें अपने कर्तव्यों तथा गणतंत्र होने का बोध कराया। मौलिक

अधिकार भी इसी संविधान के तहत मिला है। आज पूरे देश में बाबा साहब की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी जा रही है। सदस्य विधान परिषद ने कहा कि बाबा साहब ने सामाजिक समरसता के लिए, शिक्षा के लिए, अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में, जो कार्य किया है वह निश्चित ही अनुकरणीय है। बाबा साहब का विधि के क्षेत्र में, संविधान निमार्ता के रूप में योगदान अतुलनीय है। हमारा संकल्प होना चाहिए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नही होना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहब की जयंती के अवसर पर जनपद में 15 दिन तक विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे जो कि आज से प्रारम्भ हो रहा है। जिसके अन्तर्गत ग्राम पंचायतों, नगर निकायों सहित सभी जगहों पर बाबा साहब की जयंती मनायी गई। उन्होने सभी से अपील किया कि कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता अवश्य सुनिश्चित करें।बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर की जंयती के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर से अम्बेडकर तिराहे तक जनप्रतिनिधिगणों, अधिकारीगणों की उपस्थिति में माध्यमिक और बेसिक शिक्षा विभाग के बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गयी। रैली में भारत माता के जयकारे, हमारा संविधान अमर रहे आदि के नारे लगाये गये।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू एवं राजस्व अजय अम्बष्ट, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, बेसिक शिक्षाधिकारी डा0गोरखनाथ पटेल, सहित अन्य उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के महेन्द्र नाथ सिंह के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर पत्रकारों में खुशी की लहर

केराकत जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार महेन्द्र नाथ सिंह के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर केराकत तहसील क्षेत्र के पत्रकारों में खुशी की लहर दौड़ गई है। साथी पत्रकारों ने उन्हें बधाइयाँ देते हुए संगठन को मजबूत और प्रभावी नेतृत्व मिलने की आशा जताई है।महेन्द्र नाथ सिंह लम्बे समय से पत्रकारिता क्षेत्र में सक्रिय हैं और ग्रामीण स्तर पर पत्रकारों की समस्याओं को उठाने तथा उनके हितों की रक्षा के लिए लगातार संघर्षरत रहे हैं। उनकी साफ छवि, संगठनात्मक अनुभव और पत्रकारों के प्रति समर्पण को देखते हुए प्रदेश भर के पत्रकारों ने उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है।नए प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन पर सोमवार को केराकत तहसील क्षेत्र के पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शुक्ल की अध्यक्षता में केराकत नगर में बैठक हुई। जिसमें उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि महेन्द्र नाथ सिंह के नेतृत्व में एसोसिएशन और मजबूत होगा और पत्रकारों की आवाज और बुलंद तरीके से उठेगी।एसोसिएशन के पदाधिकारियों दीपनारायण सिंह, सतीश पाठक रिंकू, जयप्रकाश पाण्डेय, पप्पू सरोज, राजेश यादव ज्ञानप्रकाश पाण्डेय, ब्रह्मानंद शुक्ला आदि ने आशा व्यक्त की है कि महेन्द्र नाथ सिंह के नेतृत्व में ग्रामीण पत्रकारों को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा पत्रकारिता के मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित होगी।

बाबासाहब के सामाजिक न्याय का सपना अभी अधूरा, संविधान व आरक्षण की सुरक्षा आवश्यक: राकेश मौर्य

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के निर्देश पर समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में ज़िला मुख्यालय पर अंबेडकर पार्क निकट दीवानी कचहरी में एकत्रित होकर संविधान निमार्ता, भारत के पहले कानून मंत्री, महान चिंतक, प्रख्यात विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, सामाजिक न्याय के प्रतीक, भारत रत्न बाबासाहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती समारोह पूर्वक मनाई, प्रभातफेरी निकाल कर बाबासाहब डॉ भीमराव अंबेडकर अमर रहें के नारों से वातावरण गुंजायमान रहा।सर्वप्रथम जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, पूर्व मंत्री दीपचंद सोनकर, ज़िला महासचिव आरिफ हबीब, ज़िला उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल हीरालाल विश्वकर्मा जितेंद्र यादव, इरशाद मंसूरी सहित सपा जनों ने बाबासाहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

तत्पश्चात पूर्व मंत्री दीपचंद सोनकर के प्रतिष्ठान पर गोष्ठी आयोजित कर उनके संघर्षों बलिदानों एवं विचारों पर चलने का पुनः संकल्प लिया।गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि बाबासाहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी का सामाजिक न्याय का सपना अभी अधूरा है बाबासाहब के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं शैक्षणिक समानता और सामाजिक न्याय, समता, समानता का सपना तभी पूरा होगा जब तक संविधान का अक्षरशः पालन करते हुए उसकी रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित न हो जाए।जिलाध्यक्ष ने कहा कि देश का 90% पीडीए समाज जब तक मुख्य धारा में नहीं आता है तब तक बाबासाहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी का सपना पूरा नहीं होगा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बाबासाहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के मिशन को पूरा करने का हर संभव प्रयास कर रहें है।गोष्ठी को पूर्व मंत्री दीपचंद सोनकर, श्यामबहादुर पाल, हीरालाल विश्वकर्मा, जितेंद्र यादव, इरशाद मंसूरी सहित कई लोगों ने संबोधित किया। गोष्ठी का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।गोष्ठी में मुख्य रूप सुशील श्रीवास्तव निजामुद्दीन अंसारी, मनोज मौर्य, अनवारूल हक गुड्डू, संजीव साहू, प्रदीप पाल, अरविंद यादव, अमित गौतम, हरिश्चंद प्रभाकर, गप्पू मौर्य, मुकेश यादव, मृदुल यादव, डॉ जंगबहादुर यादव, सोनी यादव, धर्मेंद्र सोनकर, डॉ ईश्वर लाल यादव, दीपक गोस्वामी, अमजद अंसारी, दीपक जायसवाल, पप्पू यादव जमैथा, रमेश मौर्य धीरज बिंद, संदीप बिंद, सुरेश मौर्य, ताज मोहम्मद, विकास यादव, विनोद प्रजापति सभासद, दिलशाद खान, परवेज कुरैशी, मालती निषाद, जयंती यादव, अमन सिंह, जयप्रकाश यादव प्रिंसु, शाहिद मंसूरी, सुहैल अंसारी, गामा सोनकर, दिलीप प्रजापति, प्रवेश यादव सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे।गोष्ठी का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

कलेक्ट्रेट सभागार में मनायी गयी अम्बेडकर जयंती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जयंती को 14 अप्रैल से 28 अप्रैल 2025 तक हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान के टैगलाइन के अन्तर्गत उत्सव के रूप में मनाया जा रहा हैं। इसी क्रम में आज बाबा साहब के जयंती पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन हुआ।जिलाधिकारी ने भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर, पुष्प अर्पित कर तथा द्वीप प्रज्ज्वलित कर नमन किया। मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्रनन्दन सिंह, उप जिलाधिकारी सदर संतवीर सिंह सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी बाबा साहब के चित्र पर पुष्प आर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहब ने मानव कल्याण, सामाजिक समरसता, महिला उत्थान को संविधान में विशेष स्थान दिलाया। अपने प्रारंभिक जीवन में विषम परिस्थितियों में भी शिक्षा के माध्यम से उत्कृष्ट शिखर पर पहुचंकर एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया तथा शिक्षा के महत्व को बताया। स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान भारत की एकता, अखंडता सुनिश्चित करने हेतु स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में उर्जा भरने के साथ ही ऐसे वर्ग का प्रतिनिधित्व किया जो समाज की मुख्यधारा से वंचित था। उन्होने ऐसे सभी वर्ग के लोगों को समाज के मुख्य धारा से जोड़ा।संविधान रचयिता के रूप में मौलिक अधिकारो, महिला अधिकारों सहित विभिन्न कर्तव्यों, दायित्वों का बोध कराया। मानवता के इस प्रकाशपुन्ज को हम आज सभी नमन करते है। उन्होने कहा कि हमे बाबा साहब के जीवन दर्शन को आत्मसात करना चाहिए। हमारा संविधान ही हमारा स्वाभिमान है।हमारा दायित्व है कि हम संविधान में प्रदत्त शक्तियों के माध्यम से अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करेंगे। अध्यक्ष कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ विजय प्रताप सिंह ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह, तहसीलदार सौरभ कुमार सहित अन्य अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसी प्रकार विकास भवन, समस्त ग्राम पंचायतों, नगरनिकाय और विकासखण्डों में भी बाबा साहब के प्रतिमा/चित्र पर माल्यार्पण कर उनको स्मरण किया गया।

मौसेरे भाई-बहन ने आम के पेड़ पर एक ही रस्सी से फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

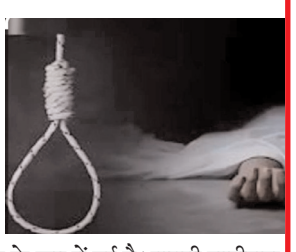

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद मिजार्पुर के लालगंज थाना क्षेत्र के निनवार उत्तर गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आपस में एक मौसेरे भाई-बहन ने आम के पेड़ पर एक ही रस्सी से फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या, मृतकों की पहचान 22 वर्षीय गोपाल दुबे और 30 वर्षीय गायत्री उर्फ गुड़िया के रूप में हुई है। गायत्री शादीशुदा थी और दो बच्चों की मां थी। उसके बच्चों की उम्र 12 और 10 वर्ष है। घटना सोमवार की भोर में हुई। गांव के तालाब के पास स्थित आम के पेड़ पर सुबह ग्रामीणों ने दोनों के शव लटके हुए देखे। ग्राम प्रधान जितेंद्र सिंह ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। घटना से गांव में शोक और सन्नाटा पसरा है। ग्रामीण स्तब्ध हैं कि ऐसा आत्मघाती कदम आखिर क्यों उठाया गया? पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि युवक व युवती का फंदे से लटका शव मिला है। जांच की जा रही है।

अनियंत्रित स्कार्पियो ने बाइक को मारी टक्कर, दोनों चालकों की मौत

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी-आजमगढ़ हाइवे पर स्थित गोला गांव के समीप रविवार देर रात को स्कॉर्पियो व बाइक के टक्कर में दोनों चालक की मौत हो गई। रविवार देर रात 12,30 बजे के करीब वाराणसी से आजमगढ़ के तरफ तेज रफ्तार से आ रही स्कॉर्पियो ने कट पर मोड कर अपने घर जा रहे बाइक सवार युवक को टक्कर मारते हुए सड़क पर पलट गई। घटना की जानकारी मिलते ही वहां ग्रामीण जुट गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से दोनों घायलों को सी एच सी चोलापुर पहुंचाया जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया:स्कॉर्पियो चालक की पहचान सुनील गुप्ता उम्र 35 वर्ष निवासी चंदापुर के रूप में हुई व बाइक सवार नीरज यादव 32 वर्ष निवासी गोला के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक नीरज यादव दो भाइयों में बड़ा था।

केराकत पुलिस चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी केराकत, अजीत कुमार रजक के पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक व उ0नि0 युगलकिशोर राय प्रभारी चौकी मुफ्तीगंज मय हमराह द्वारा मुखबीर की सूचना के आधार पर मु0अ0सं0-95/2025 धारा-303(2)/317(2) बीएनएस से सम्बन्धित वाछिंत आरोपी राहुल पाण्डेय पुत्र गिरजाशंकर पाण्डेय निवासी ग्राम किरतापुर थाना जफराबाद जनपद जौनपुर को दिनांक-13.04.2025 को सूचितपुर मोड़ के पास से पुलिस हिरासत मे लिया गया गया। गिरफ्तारशुदा आरोपी को नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा जा रहा है।

हैवानियत : 4 साल की मासूम से दुष्कर्म

क्रिश्चियन कब्रिस्तान में आरोपी ने वारदात को दिया अंजाम, दुष्कर्मी को खोज रही पुलिस

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी के खुजारी इलाके की 19 वर्षीय युवती के साथ हुए गैंगरेप का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था तबतक वाराणसी में चार वर्षीय मासूम के साथ रेप की वारदात शहर को झकझोर दिया है। पिता के दोस्त ने चार साल की बच्ची के साथ रेप किया। फिर वह क्रिश्चियन कब्रिस्तान में खून से लथपथ हालत में छोड़कर फरार हो गया। घर में बच्ची को न देख पिता उसे खोजते हुए कब्रिस्तान पहुंचे। यहां बच्ची की रोने की आवाज सुनाई दी, वह वहां पहुंचे तो बच्ची खून से लथपथ पड़ी थी। परिजनों ने मासूम को अस्पताल में भर्ती कराया।मासूम के पिता क्रिश्चियन कम्युनिटी के लिए काम करते हैं। वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार है। मासूम आरोपी को बड़े पापा कहकर बुलाती है। घटना लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र की है।सोमवार को लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने 4 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। तहरीर के अनुसार, बच्ची से बीते 12 अप्रैल यानी शनिवार को दुष्कर्म किया गया था।

लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र जेल रोड निवासी युवक ने बताया कि शनिवार को उसकी बेटी घर में अकेली थी। इसी बीच इछह क्षेत्र का निवासी 40 वर्षीय उसका दोस्त घर पहुंचा। वह उसे बहाने से मकबूल आलम रोड स्थित कब्रिस्तान ले गया। जहां उसके साथ रेप किया। बच्ची की हालत बिगड़ी तो वह उसे लहूलुहान अवस्था में छोड़कर फरार हो गया। परिजन मासूम को खोजते हुए कब्रिस्तान पहुंचे। जहां उन्हें बच्ची लहूलुहान हाल में मिली। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। सोमवार को बच्ची की हालत में सुधार होने के बाद पीड़ित पिता थाने पहुंचे और तहरीर दी।एसीपी कैंट विदुष सक्सेना ने बताया कि आरोपी पीड़िता के पिता का दोस्त होने के चलते बेटी से भी घुला मिला था। शनिवार को घर आने पर उसने किसी को नहीं पाया तो बच्ची को देखकर नीयत खराब हो गई। आरोपी उसे बहाने से ले गया और मौका पाकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

अंबेडकर जयंती पर चारों तरफ रही जय भीम के गगनभेदी नारों की गूंज

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोमवार को पूरे देश मे भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर की बड़ी धूमधाम के साथ मनाई गई। नगर और पास क्षेत्रो और गॉवों में चारो तरफ जय भीम के गगन भेदी नारों से गूंज उठा। मानों पूरा आसमान ही नीला हो गया। नगर के जेसीज चौक पर कई क्षेत्रों से भिन्न भिन्न प्रकार की बाबा साहब की झांकियां आकर इकट्ठा हुए और वहां से डीजे की धुन पर महिलाएं, पुरुष, किशोर, किशोरियां, बच्चे जय भीम के नारे और सुंदर झांकियों से लैस हजारों की संख्या में लोग कोतवाली चौराहा, लोहा मंडी, इराकियाना चौक होते पुरानी चौक, चूड़ी मुहल्ला होकर जुलूस अपने गंतव्य स्थान पर पहुँची।वही इस जुलूस में शामिल वरिष्ठ चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सीएस भारती ने कहा की भारतीय संविधान के शिल्पकार, आधुनिक भारत के जनक, राष्ट्र निमार्ता, भारत रत्न, महान अर्थशास्त्री, नारी के मुक्तिदाता, ज्ञान के प्रतीक करोड़ो शोषितों वंचितों के मसीहा, सिंबल ऑफ नॉलेज महामानव बाबा साहेब डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी की 134 वी जयंती पर सभी देश वासियों हार्दिक बधाई। डाक्टर सीएस भारती ने आगे कहा की बाबा साहेब के बताए रास्ते और शिक्षित होकर समाज के मुख्य धारा में आने की आवश्यकता है।आज भी कुछ लोग ऐसे हैं जो बाबा भीमराव अंबेडकर को उनके नाम को इस्तेमाल वोट बैंक बनाने के चक्कर मे दिखावा करते हैं जो सही नही है।और कुछ लोग तो ऐसे भी जो कानून बनाकर या मनमाने तरीके से कुछ भी करके संविधान को कमजोर करने की कोशिश करते है। श्री भारती ने आगे कहा की हमारा संविधान बाबा का संविधान इतना कमजोर नही जो कुछ लोग अनर्गल बयानों से कमजोर हो जाएगा। बाबा साहेब देश का संविधान बनाकर सभी धर्मों और सभी जातियों, पन्थो, मजहबों आदि को एक धागे में पिरोने का काम किया है।

अंबेडकर जयंती पर सखी वेलफेयर फाउंडेशन ने बाबा साहब को किया नमन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सखी वेलफेयर फाउंडेशन ने मरदानपुर स्थित कैंप कार्यालय पर महान समाज सुधारक, संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती को समारोह पूर्वक मनाया।जिसमें संस्थाध्यक्ष प्रीति गुप्ता, प्रशिक्षिका अंजलि प्रजापति एवं समस्त सखी वेलफेयर टीम के सदस्यों एवं मेहंदी प्रशिक्षण कार्यशाला की प्रशिक्षुओं ने भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि व्यक्त की।

इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने कहा कि डॉ. अंबेडकर एक महान समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, विधिवेत्ता और भारतीय इतिहास के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्वों में से एक थे। उन्होंने भारत के आजादी के समय देश को सही दिशा दिखाने के लिए कई तरह के योगदान दिए और भारत का संविधान तैयार करना उनमें से ही एक योगदान है।आज जब हम अंबेडकर जयंती को मना रहे हैं, तो हमें इस बात का संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके बताए मार्ग पर चलकर सामाजिक न्याय की स्थापना करें, शिक्षा को सबके लिए सुलभ बनाएं, और भारत को एक सशक्त, समान और समावेशी राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें।कार्यक्रम का संचालन सखी दिव्या साहू तथा उपस्थित सभी के प्रति आभार सखी शकुंतला मौर्या ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सखी साधना साहू, अंजलि प्रजापति, बिपाशा,शिवानी, भावना, साधना, नेहा, रूचि, सृष्टि, अंजलि, खुशी, पलक, अर्पिता, अंशिका सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

बाबा साहेब ने सभी जाति, धर्मों को संविधान के माध्यम से एक धागे में पिरोया: डा.रमेश यादव

अतरडीहा में धूमधाम से मनाई गयी अम्बेडकर जयंती

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोमवार को जहां पूरे देश मे भारत रत्न भीमराव अंबेडकर के जयंती मना रहे थे।तो इसका जोश देश के कोने कोने तक फैला चारो तरफ सिर्फ जय भीम भीम के गगन भेदी नारों से आसमान गूंज रहा था।और तो और नीले झण्डे से आकाश नीला हो गया था।इसी क्रम में सरपतहां थाना क्षेत्र के ग्राम अतरडीहा में भी बड़े धूमधाम से बाबा साहब की जयंती मनाई गई।यहां पर समाजसेवी डाक्टर रमेश यादव ने सर्वप्रथम बाबा साहब के चित्र पर माला पहनाकर उन्हें नमन किया ततपश्चात हजारों की भीड़ जो डीजे की धुन पर बाबा साहब की जयंती में डूबी हुई थी सभी का मुँह मीठा कराया।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए डाक्टर रमेश यादव ने कहा की समाज में फैल रही कुरीतियों का विरोध करते हुए आपसी भाई-चारा व एकजुटता से रहने की बात कहीं उन्होंने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि बाबा साहब भारतीय संविधान के प्रमुख निमार्ता और स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री थे। बाबा साहब अम्बेडकर एक विधिवेता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। आपने दलित समाज, मजदूर वर्ग और महिलाओं के प्रति सामाजिक भेद-भाव के खिलाफ आवाज उठाई और अभियान चलाएं सामाजिक छुआछूत और जातिवाद के खात्मे के लिए काफी आंदोलन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीब,दलित और समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए न्योछावर कर दिया। अम्बेडकर ने खुद भी उस छुआछूत, भेदभाव और जाति वाद का सामना किया।जिसने भारतीय समाज को खोखला बना दिया था। राष्ट्र के प्रति उनका योगदान बहुमूल्य है और उल्लेखनीय हुए। ऐसे व्यक्ति थे जो समय से आगे चला करते थे। सामाजिक बुराइयों को दूर करने के उनके प्रयासों और उनके द्वारा शिक्षा को दिए गये महत्व का हम स्मरण करते हैं।उक्त मौके पर मंगलेश कुमार, गुड्डू एडवोकेट, शोभनाथ वर्मा, ब्रजेश वर्मा,जीतू, हरेंद्र, राजेश, मंजूलता, सीमा, जितेंद्र, संजय, मनोकामना यादव, कल्पना यादव, दिनेश, सौरभ यादव आदि सैकड़ों गणमान्य मौजूद रहे।

जौनपुर के सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा के मुरीद हुए रमेश चंद्र मिश्र

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर के सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा को लेकर भाजपा के लोग चाहे जितना आरोप लगाए, जनता की भले ही शिकायत हो कि वे अपने संसदीय क्षेत्र में दिखाई नहीं देते, बदलापुर के भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्र को उनमें बहुत सारी अच्छाइयां नजर आती हैं। न्यूज चैनल को दिए गए वक्तव्य में उन्होंने साफ कहा है कि उन्हें बाबू सिंह कुशवाहा के अंदर अच्छी और सकारात्मक सोच साफ नजर आती है। जौनपुर के विकास के लिए आयोजित बैठक में उन्होंने पूरा समय दिया। यही नहीं उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की खामियों को वह समय-समय पर विधानसभा में उठाते रहे हैं, परंतु वे अकेले रह जाते हैं। उनके कहने का साफ मतलब है कि स्वास्थ्य विभाग में सुधार को लेकर पार्टी के लोग भी उनका साथ नहीं देते। देखा जाए तो रमेश चंद्र मिश्र हमेशा से ही अपने विवादास्पद बड़बोलेपन के लिए जाने जाते रहे हैं। योगी सरकार की विफलता और बदलाव को लेकर तथा 2027 के चुनाव में भाजपा की विजय को अनिश्चित बताने वाले रमेश चंद्र मिश्र कब क्या कह दें, उनकी पार्टी के लोग भी नहीं जानते। पिछले दिनों रामनगर के पास बनाए गए निषादराज प्रवेश द्वार के उद्घाटन समारोह के बाद सोशल मीडिया पर उनके वायरल वीडियो की भी लोगों ने खूब चर्चा की, जिसमें वे संजय निषाद का बार-बार पैर छूकर यह कहते हुए देखे गए कि मैं विधायक आपके कारण बना आपके लोगों के कारण बना। यही नहीं संजय निषाद का यह कहना कि आप हमारे साथ रहोगे तो मंत्री बन जाओगे, राजनीतिक चर्चा का विषय रहा। राजनीतिक जानकारों की माने तो रमेश चंद्र मिश्र अपना एक समानांतर राजनीतिक प्लेटफार्म तैयार कर रहे हैं। यही कारण है कि उनका झुकाव अन्य दलों की तरफ भी दिखाई देता है। भाजपा के एक पदाधिकारी के अनुसार लोकसभा में खराब प्रदर्शन के चलते जौनपुर के विधायक घबराए हुए हैं। उन्हें टिकट कटने का डर सता रहा है, यही कारण है कि वे वैकल्पिक प्लेटफॉर्म भी तैयार करने में लगे हुए हैं। जहां तक बाबू सिंह कुशवाहा का सवाल है, ठफ्रूट, आय से अधिक मामलों समेत उनके खिलाफ 25 मामले दर्ज हैं। आठ मामलों में तो कोर्ट ने आरोप तय कर दिया है। ऐसे में एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा कभी भी उन्हें सजा सुनाई जा सकती है।

बेकाबू ट्रैक्टर ने मां व मासूम बच्चे को मारी टक्कर, दोनों की मौत

, सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी के सुल्तानपुर में सोमवार सुबह सड़क किनारे डेढ़ साल के बच्चे को दूध पिलाते समय बेकाबू ट्रैक्टर ने मां-बेटे को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी बीच ट्रैक्टर सड़क के किनारे गड्ढे में पलट गया। घायल मां-बेटे को सीएचसी करौंदीकला ले जाया गया। जहां पर चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना के बाद चालक वाहन छोड़ मौके से भाग निकला। हादसा करौंदीकला क्षेत्र के गौरा टिकरी गांव में हुआ। मूल रूप से जौनपुर जिले के खुटहन स्थित संजरपुर गांव निवासी सज्जाक की पत्नी नाजमा बानो (32) के पिता मो. नन्हें करौंदीकला के पहाड़पुर कला गांव में रहते हैं। रविवार को मो. नन्हें की छोटी पुत्री की गोद भराई का कार्यक्रम था। उस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नाजमा रविवार को अपने पुत्र उवैद (डेढ़ वर्ष) को लेकर देवर मो. कैफ के साथ मायके आई थीं। सोमवार सुबह 11 बजे नाजमा व उनके पुत्र उवैद को लेकर मो. कैफ बाइक से जौनपुर जाने के लिए निकले थे। रास्ते में गौरा टिकरी गांव के पठखौली मोड़ के पास नाजमा ने मो. कैफ से बाइक रोकने को कहा। बाइक रुकने के बाद नाजमा अपने बच्चे को दूध पिलाने लगी। इसी बीच करौंदीकला की तरफ से आ रहा ईंट से लदा तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया। ट्रैक्टर सीधे नाजमा व उवैद को रौंदते हुए आगे जाकर पेड़ से टकराकर सड़क के किनारे स्थित गड्ढे में पलट गया। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से भाग निकला। गंभीर हालत में नाजमा व उनके बेटे उवैद को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करौंदीकला ले जाया गया। जहां पर चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष शारदेंदु दुबे ने बताया कि मो. कैफ की तहरीर पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया है। वह खुद को खलासी बता रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दलित युवक को दिनदहाड़े मारी गोली

एटा (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के एटा जिले से बड़ी घटना सामने आई है, जहां पर अम्बेडकर जयंती जुलूस के दौरान एक युवक पर दिनदहाड़े एक शख्स ने गोली मार दी। घटना के बाद दलित समाज में आक्रोश फैल गया। घटना से नाराज शोभायात्रा में शामिल दलित समाज के लोगों में जमकर हंगामा काटा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बीते एक दिन पहले किसी बात को लेकर दोनो के बीच कहा सुनी हुई थी। हालांकि इस घटना को लेकर पुलिस ने बयान जारी किया है। पुलिस ने बताया कि थाना जलेसर क्षेत्रांतर्गत अनिल रोजाना की तरह अपनी मेडिकल की दुकान पर बैठा था तभी उसके सामने रहने वाले दिनेश द्वारा दुकान पर आकर अनिल उपरोक्त के साथ गाली गलौज करते हुए पेट में गोली मार दी। जिसे स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल उपचार हेतु चिकित्सालय भिजवाया गया है तथा आरोपी को अवैध तमंचा सहित मौके से गिरफ्तार करते हुए थाना स्तर से अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

जुआ खेलने से मना करने पर मनबढ़ों ने घर में घुस का पीटा

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बाल बुजुर्ग गांव में एक घर के सामने जुआ खेल रहे युवकों से एक महिला ने अन्यत्र जाकर जुआ खेलने की बात कही। इसके बाद भी मनबढ़ युवक नहीं माने। सभी आपस में अपशब्दों का प्रयोग करते हुए जुआ खेलते रहे। यह देख महिला ने पुलिस को बुलाने की बात कह दी। इसके बाद मनबढ़ युवकों ने महिला को मारने के लिए दौड़ा लिया। महिला घर में घुसकर दरवाज बंद कर ली। मनबढ़ों ने दरवाजा तोड़ घर में घुस महिला, उसके बेटे व बीच बचाव करने पहुंची एक महिला को मारपीट कर घायल कर दिया। पुसिल पांच युवकों पर केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दिए गए तहरीर में यशोदा देवी पत्नी छोटे लाल ने बताया कि घर के सामने शुक्रवार की रात आठ बजे के साहिल, श्रीनेत, अखिलेश, सुनील व मनवा उसके मकान के समीप बैठकर जुआ खेल रहे थे। आपस में अपशब्दों का भी प्रयोग कर रहे थे। यह देख मैंने उनको अन्यत्र जाकर जुआ खेलने की बात कही।

गिरीश चंद्र तिवारी के विदाई समारोह मे उमड़ा जनसैलाब

ठाणे (उत्तरशक्ति)। दिवा, ठाणे महाराष्ट्र रेलवे सुरक्षा बल के दिवा रेलवे स्टेशन के इंचार्ज पं गिरीश चंद्र तिवारी का स्थानांतरण नागपुर जोन मे होने के बाद उनके विदाई समारोह मे दिवा गांव की जनता व समाजिक , राजनैतिक,पत्रकार बंधु और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियो का बड़ी संख्या मे आगमन हुआ सभी ने इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र तिवारी को उज्जवल भविष्य की बधाई व शुभकामनाए दी। दिवा भाजपा अध्यक्ष सचिन भोइर ने बधाई देते हुए कहा कि पं गिरीश चंद्र तिवारी जैसे इंस्पेक्टर ने दिवा रेलवे स्टेशन का इतिहास ही बदल दिया। आगे कहा कि दिवा रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन दुर्घटना मे एक या दो व्यक्ति की ट्रेन से अक्सर मौत हो जाती थी। लेकिन

जब से तिवारी जी आगमन दिवा रेलवे स्टेशन पर हुआ इनके भागीरथी प्रयास से विगत दो वर्षो से दुर्घटना होने वाली मौत बंद हो गई। इन्होने स्थानीय नागरिको के समन्वय स्थापित करके अधिकारियो के लिए एक मिसाल कायम किया। स्थानीय नागरिक इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र तिवारी के कार्य से संतुष्ट थे। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए शिवसेना प्रमुख दिवा सचिन चौबे ने कहा इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र तिवारी दिवा रेलवे स्टेशन मे कभी अधिकारी बनकर नही एक पारिवारिक सदस्य के रूप मे सेवा दिया है। समारोह मे ठाणे के उपमहानिरीक्षक अतुल क्षीरसागर, कुर्ला इंचार्ज संजीव राय, मुलुंड इंचार्ज रघुनाथ मारकड, कल्याण इंचार्ज राकेश कुमार, ठाणे इंचार्ज सुरेन्द्र कोष्ठा, मुंब्रा इंचार्ज पवन कुमार आदि अधिकारियो के साथ भाजपा अध्यक्ष दिवा सचिन भोइर, नगरसेवक शैलेष पाटिल, नगरसेवक अमर ब्रम्ह पाटिल, भाजपा नेता चेतन पाटिल, वरिष्ठ अधिवक्ता आदेश भगत, भाजपा नेता विजय भोइर, वरिष्ठ पत्रकार महेंद्रमणि पाण्डेय, नवभारत पत्रकार विनीत तिवारी, सामना पत्रकार उदयभान पाण्डेय, पत्रकार आरती परब ने इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र तिवारी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाए दी। समारोह मे इंस्पेक्टर के समधी ब्राह्मण रत्न राष्ट्रीय अध्यक्ष पं कमलेश रामयज्ञ पाण्डेय सपरिवार उपस्थित थे। अंत मे इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र तिवारी ने आये हुए सभी सम्मानित नगरिको का दिल से आभार व्यक्त किया और कहा कि आप लोगो का प्यार और आशीर्वाद मुझे बहुत याद आयेगा।

जयंती के एक दिन पूर्व डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा तोड़े

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ के जहानागंज क्षेत्र के लपसीपुर ग्राम सभा, तैय्यबपुर मौजा में स्थित संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना से क्षेत्र में तनाव और आक्रोश फैल गया है। यह घटना बीती रात की बताई जा रही है। सोमवार की सुबह आंबेडकर जयंती के अवसर पर ग्रामीण जब प्रतिमा स्थल पर साफ-सफाई के लिए पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इस घटना की जानकारी होते ही ग्रामीणों में गुस्सा और दुख की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए लोगों को शांत कराया और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने तत्काल मूर्ति की मरम्मत का आश्वासन दिया है, और मामले को शांत कराया।

इस घटना ने आंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और दोषियों की तलाश में छानबीन तेज कर दी है।

बिहार जूनियर फैशन शो सीजन 4 के ग्रैंड फिनाले में रैंप पर बच्चों ने बिखेरा जलवा

पटना (उत्तरशक्ति)। इवेंटवाले बाबा द्वारा पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित कैफे 53 में बिहार जूनियर फैशन शो सीजन 4 का ग्रैंड फिनाले सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह भव्य आयोजन अभिनेत्री तनु अश्मी एवं प्रख्यात समाजसेविका बबीता सिन्हा के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 2 से 17 वर्ष के बच्चों ने विभिन्न ट्रेडिशनल और ट्रेंडी थीम कॉस्ट्यूम्स में रैंप पर अपना जलवा बिखेरा। सोशल मीडिया सेंसेशन इरा सिन्हा (ब्लिंकिट गर्ल) शोस्टॉपर रही। भारत में पहली बार बिहार जूनियर फैशन शो में बच्चे स्केटिंग करते हुए रैंप पर नजर आए। रानी लक्ष्मीबाई, दुर्गा माता, मिथिला पेंटिंग और बिहार की सांस्कृतिक पहचान को बच्चों ने पोशाकों और एक्टिंग के माध्यम से खूबसूरती से पेश किया। शो डायरेक्टर पंकज कुमार तिवारी ने कहा कि आज बिहार के फैशन इतिहास में एक नई इबारत लिखी जा रही है। बच्चों ने जिस आत्मविश्वास, क्रिएटिविटी और जोश के साथ रैंप पर कदम रखा है, वो वास्तव में काबिले तारीफ है। हमारा मंच पहले भी कई प्रतिभाओं को मिस इंडिया और मिस अर्थ जैसे प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म तक पहुंचा चुका है। बिहार के सात बड़े शहरों में ऑडिशन के बाद चयनित प्रतिभागियों को ग्रूमिंग सेशन्स के जरिए पोज़िंग, पर्सनालिटी डेवलपमेंट और रैंप वॉक की गहन ट्रेनिंग दी गई। अभिनेत्री एवं कोरियोग्राफर तनु अश्मी ने कहा कि बच्चों ने जिस समर्पण से एक हफ्ते की ट्रेनिंग ली है, वो देख कर हमें भी गर्व महसूस हो रहा है। आज का रैंप उन्हीं की मेहनत का परिणाम है।कार्यक्रम में नेशनल एथलीट आर्या सिन्हा ने आत्मविश्वास से भरी वॉक से सबका मन मोह लिया। स्केटिंग कोच आशीष प्रशांत और उनकी टीम ने बच्चों को अनुशासित और शानदार स्केटिंग रैंप के लिए ट्रेंड किया। शो को सफल बनाने में राकेश जयसवाल, विवेक, सुमित, अमित, पावस, शांतनु सहित अन्य लोगों की सहभागिता रही।

विरार में स्थित विंध्यवासिनी मंदिर पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

विरार (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के वसई तालुका में विरार पूर्व उसगाव स्थिति विंध्यवासिनी मंदिर पर रविवार को भव्य रूप से माता जी की चौकी का आयोजन किया गया। विंध्यवासिनी माता के मंदिर पर चौकी रखी गई थी । इस माता की चौकी में हजारों श्रद्धालुओं के सिर पर माता जी की चुनरी बांधकर भजन,कीर्तन करते हुए माता के जयकारो से पूरा नगर गुज उठा। माता के भक्तों ने सभी के स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए कामना किया। विरार पूर्व विंध्यवासिनी मंदिर उसगांव ब्रजेश्वरी मंदिर रोड नियर माउंट व्यू रिसोर्ट विरार पूर्व पालघर में 13 अप्रैल रविवार को मां विंध्यवासिनी मंदिर के 11 वे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चौकी एवं भंडारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। मंदिर के ट्रस्टी एडोवोकेट दिनेश तिवारी (गुरुजी),रेखा दिनेश तिवारी शाह ट्रस्टी ,एडवोकेट आशीष

मलाड,रामचंद्र मिश्रा समाज सेवक ,एडवोकेट डीके पांडे, एडवोकेट सुरेश तिवारी, एडवोकेट अशोक उपाध्याय, एडवोकेट राजेश चतुवेदी ,एडवोकेट कुंवर पाण्डेय,विशाल मिश्रा उद्योगपति, डी आर पांडे समाज सेवक, डॉ अम्बरीष दुबे,भरत मेहता व्यापारी,स्वामी शर्मा, विनय मिश्रा प्रेमी व्यापारी,अरुण मिश्रा व्यापारी, राजेश नाग,राजेश पांडे व्यापारी, गुलाबधर दुबे, अनिल गुप्ता अध्यक्ष अग्रहरी समाज,चंद्र प्रकाश शुक्ला,नीला मिश्र, ब्रह्मदेव चौबे, अनिरुद्ध विखंकर, भृगुनाथ मिश्र, पूजा मिश्रा मंदिर पुजारी, गायक नन्हे सिंह, उसगाव ग्राम पंचायत के सदस्य सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वही विंध्यवासिनी मंदिर के प्रांगण में रूम,शादी हाल, मांगलिक कार्यक्रम करने की पूर्ण रूप से व्यवस्था है।

कारपेट इंडस्ट्री के विकास के लिए उनका पूरा समर्थन है और वे हमेशा निर्यातकों के साथ खड़े रहेंगे : गिरिराज सिंह

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। कारपेट इंडस्ट्री के विकास के लिए सरकार हरसंभव मदद व सहयोगी करेगी। वे हमेशा निर्यातकों के साथ खड़े रहेंगे। यह बातें केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहीं। वे सोमवार को कालीन निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा भारत मंडप्पम के हाल नंबर 1 में आयोजित चार दिवसीय इंडिया कारपेट एक्स्पो के शुभारम्भ के दौरान मुख्य अतिथि के रुप में निर्यातकों को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले गिरिराज ने हस्तशिल्प विकाश आयुक्त एवं आईएएस श्रीमती अमृत राज तथा सीईपीसी चेयरमैन कुलदीप राज वट्टल की उपस्थिति में दीप जलाकर किया।

उद्घाटनोपरांत गिरिराज सिंह ने एक्सपो में विभिन्न कालीन स्टालों का दौरा किया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के रंग बिरंगी कालीनों को देखकर निर्यातकों का उत्साहवर्धन भी किया। उन्होंने कहा कि उद्योग के विकाश हेतु उनका पूरा समर्थन है। वे हमेशा निर्यातकों के साथ खड़े है। इस दौरान उन्होंने निर्यातकों को उद्योग की विकाश हेतु सरकार का पूरा सहयोग कराने का आश्वाशन भी दिया। उन्होंने कहा कि इंडिया कार्पेट एक्सपो एशिया के सबसे बड़े हस्तनिर्मित कालीन मेलों में से एक है, जहां खरीदारों को एक ही छत के नीचे बेहतरीन हस्तनिर्मित कालीन, गलीचे और अन्य फ़्लोर कवरिंग खरीदने का अनूठा मंच मिलता है। 160 प्रदर्शकों की भागीदारी के साथ, यह हस्तनिर्मित कालीनों के लिए दुनिया भर में एक लोकप्रिय गंतव्य बन गया है।

सीईपीसी के चेयरमैन कुलदीप राज वाटल ने कहा, पहले दिन लगभग 34 देशों से रिकॉर्ड संख्या में 125 विदेशी आयातक, मुख्य रूप

से अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, फ्रांस, कनाडा, इसराइल, टर्की, जापान, रुस, इटली, स्वीडेन, जर्मनी, नीदरलैंड, पोलैंड और 75 आयातकों के प्रतिनिधियों ने एक्स्पो में भाग लेकर निर्यातकों से पूछताछ एवं आर्डर दिए। उन्होंने कहा कि इंडिया कार्पेट एक्सपो अंतर्राष्ट्रीय कालीन खरीदारों एवं उनके प्रतिनिधियों, आर्किटेक्ट्स और भारतीय कालीन निमार्ताओं और निर्यातकों के लिए एक आदर्श मंच है, जहां वे एक-दूसरे से मिलकर दीर्घकालिक व्यापारिक संबंध स्थापित कर सकते हैं। यह प्रदर्शनी हस्तनिर्मित कालीन के भारतीय निर्यात को और अधिक नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्री वट्टल ने कहा कि एक्स्पों में भाग लेने वाले निमार्ताओं और निर्यातकों के लिए यह जबरदस्त व्यावसायिक अवसर हैं, क्योंकि दुनिया भर से हस्तनिर्मित कालीनों के कई प्रमुख खरीदार इस शो में भाग ले रहे है। इनसे निकट भविष्य में हजारों करोड़ से अधिक के ऑर्डर निष्पादित होने की उम्मीद है। कालीन एक्सपो में नए डिजाइन प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल ने कहा कि परिषद का प्रयास कालीन आयातकों के साथ-साथ निमार्ता-निर्यातकों को विशेष व्यावसायिक वातावरण प्रदान करना है, जिससे अंततः इस अत्यधिक श्रम गहन ग्रामीण आधारित एमएसएमई कुटीर उद्योग में कार्यरत लगभग 2 मिलियन बुनकरों और कारीगरों को लाभ होगा। कार्यवाहक कार्यकारी निदेशक डाक्टर स्मिता नागरकोटी ने प्रसन्नता व्यक्त की और आशा व्यक्त की कि यह एक्सपो नए मील का पत्थर स्थापित करेगा और इसका अंतिम लाभ बुनकरों और उनके परिवारों को मिलेगा।

उद्घाटन समारोह में प्रशानिक समिति के सदस्य अनिल कुमार सिंह, असलम महबूब, महाबीर प्रताप, बोधराज मल्होत्रा, वासीफ अंसारी, दीपक खन्ना, हुसैन जफर हुसैनी, इम्तियाज अहमद, मेहराज यासीन जैन, पीयूष कुमार बरनवाल, रोहित गुप्ता, संजय गुप्ता, शौकत खान और शेख आशिक अहमद के साथ अन्य निर्यातक सदस्य के अलावा कार्यकारी निदेशक सह-सचिव डाक्टर स्मिता नागरकोटी भी मौजूद रही।

स्कूजो आइस ओ मैजिक ने ठाणे में खोला अपना पहला आउटलेट

ठाणे। भारत में अपनी लाइव पॉप्सिकल और जेलाटो के लिए मशहूर स्कूजो आइस ओ मैजिक ब्रांड ने ठाणे में अपना पहला आउटलेट खोला। तेजी से सफलता हासिल करने वाली इस कंपनी ने नए लॉन्च के साथ महाराष्ट्र में भी अपनी पकड़ को मजबूत बनाने का सराहनीय प्रयास किया है। इसके लिए कंपनी ने शहर के सबसे सक्रिय यानि जीवंत स्थानों में से एक को चुना है, ताकि लोग बड़ी मात्रा में डेजर्ट का लुत्फ उठा सकें।

लाइव पॉप्सिकल के लिए मशहूर स्कूजो अब ग्राहकों को इच्छानुसार पॉप्सिकल तैयार करने का मौका प्रदान कर रहा है। देखते ही देखते सभी इंग्रीडिएंट्स को लाइव फ्रीजिंग तकनीक के माध्यम से कुछ मिनटों में परिवर्तित करके पॉप्सिकल्स में बदल दिया जाता है। ऐसी इमर्सिव प्रक्रिया न केवल एक मजेदार अनुभव प्रदान करती है बल्कि

ताजगी, पारदर्शिता और उत्सुकता का अनुभव कराती है। नए आउटलेट में स्कूजो के पास अपने ग्राहको को सर्व करने के लिए पॉप्सिकल्स के साथ-साथ और भी कई चीजें है। इस वाइड रेंजिंग मेनू में जिलेटो, क्रिस्पी वफल, रिच मिल्क शेक और टेस्टी सनडे भी शामिल हैं। यहां मौजूद सभी चीजें 100 प्रतिशत असली फलों और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री से तैयार की गई हैं। खास बात ये है कि ये डेजर्ट केमिकल्स और प्रिजर्वेटिव से मुक्त है। कंपनी बढ़िया स्वाद और हेल्दी ऑप्शन के साथ गिल्ट फ्री ट्रीट डेसर्ट प्रदान कर रही हैं। स्कूजो आइस ओ मैजिक के फाउंडर गगन आनंद ने नए लॉन्च के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ठाणे में कंपनी का पहला आउटलेट लॉन्च करना एक बहुत बड़ा कदम है। वे कहते है कि उनका मकसद हमेशा से लोगों को मीठा सर्व करने के तरीके में एक हेल्दी बदलाव लाना था। वे पारंपरिक मिठाइयों से हटकर कुछ ऐसा करना चाहते हैं, जो इंटरैक्टिव, हेल्दी और नया हो और ये न्यू आउटलेट अपने उस सपने को हकीकत में बदलने का एक प्रयास है। नया आउटलेट शॉप नंबर 4, टॉवर 7, क्राउन लोधा क्वालिटी होम्स माजीवाड़ा, ठाणे वेस्ट में मौजूद है। ये इलाके के सभी मीठा खानेवालों के लिए सुविधाजनक स्पॉट है। पूरे उत्साह के साथ फ्रैंचाइज यूनिट की पार्टनर, राधिका आनंद बिल्लाडे कहती हैं कि कंपनी का मकसद सिर्फ फ्रोजन ट्रीट बेचना नहीं है बल्कि एक ऐसा अनुभव साझा करना है, जो ब्रांड के नएपन और रोमांच को भी दशार्ता है। वे कहती हैं कि हम चाहते हैं कि ग्राहक न केवल डेजर्ट से संतुष्ट हो बल्कि मेनू में मौजूद हर एक चीज में छुपी न्यूनेस और सरप्राइज का भी मजा चखे। अपनी नई लोकेशन और विजन के साथ आगे बढ़ने वाली स्कूजो आइस ओ मैजिक अब हैंड क्राफटिड डेजर्ट की मदद से भारत में डेजर्ट कल्चर को बदलने का प्रयास कर रहा है।

लड़की ने बैंक कर्मचारी बनकर,बुजुर्ग से ठगे 55 लाख रुपए

गाजियाबाद (उत्तरशक्ति)। दरअसल, रामकुमार अग्रवाल नाम के इंदिरापुरम के रहने वाले व्यक्ति पिछले काफी सालों से शेयर ट्रेडिंग का काम कर रहे हैं। पिछले दिनों उन्हें एक लड़की ने बैंक की कर्मचारी बनकर फोन किया। इसके बाद उन्हें शेयर ट्रेडिंग में कुछ टिप्स से भारी मुनाफे का लालच दिखलाया इसके बाद उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ लिया गया। वहां रोजाना आने वाली शेयर ट्रेडिंग जानकारी को साझा किए जाने लगा। इसके बाद एक फर्जी ऐप के माध्यम से उनसे कई बार में 55 लाख रुपए की रकम निवेश कर ली गई। फर्जी ऐप पर उन्हें लगातार मुनाफा होता भी दशार्या जाने लगा पर जब उन्होंने अपनी रकम को निकालने की कोशिश की तो रकम नहीं निकल पाई, इसके बाद उन्हें अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। पूरे मामले को लेकर वह साइबर थाने पहुंचे इसके बाद पुलिस ने उनकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर साइबर अपराधियों और प्रकरण ट्रांसफर करने में इस्तेमाल में लिए गए बैंक अकाउंट को खंगालना शुरू कर दिया। पुलिस का कहना है जल्दी खातों की पहचान करते हुए पीड़ित को उनकी रकम वापस दिलाई जाएगी। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लगातार प्रचार के बावजूद लोग साइबर अपराधियों के झांसे में आकर उनका शिकार हो रहे हैं।

माजी खासदार राहुल शेवाळे को दी जन्मदिन की बधाई

मुंबई। 14 अप्रैल 2025 सोमवार को शिवसेना (एकनाथ शिंदे)गुट नेते व दक्षिण मध्य जिल्हा मुंबई माजी खासदार राहुल शेवाळे को शिवसेना जनसंपर्क कार्यालय,चेंबूर,मुंबई मे शॉल और पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार संवाददाता सुखबिंदर सिंह, साहेबराव वाघ,भाजपा उत्तर मध्य जिल्हा मुंबई हरिकेश जैसवाल, मानव कल्याण सेवा संघ के अध्यक्ष उदय सिंह ठाकुर सहित अन्य लोग मौजुद रहे। सभी ने मिलकर राहुल शेवाळे को शुभकामनाएं दीं और राहुल शेवाळे ने आए हुए सभी मेहमानो को अल्पाहार से धन्यवाद ज्ञापित किया।

उद्योगपति रुद्र प्रताप त्रिपाठी ने कराया कथा का आयोजन

ठाणे (उत्तर शक्ति)। उद्योगपति रुद्र प्रताप त्रिपाठी ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री का ठाणे भिवंडी में कथा का आयोजन कराया। 14 अप्रैल बालाजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा भी हुआ । आज भारतवर्ष में पंडित धीरेंद्र शास्त्री का हिंदुत्व को लेकर अखंड भारत का सपना सदैव समर्पित भावना से सभी को जागृत करने का कार्य चल रहा है। कथा के माध्यम से सभी भक्तों को अपनी तरफ आकर्षित करने का कार्य बड़ा ही अनूठा है। भक्तगण रात-रात जाग कर महाराज की कथा सुनने के लिए व्याकुल रहते हैं। आपको बता दें बीमार लोगों को महाराज को दिखाने का स्वास्थ्य लाभ कार्य भी हो रहा है। महाराष्ट्र के अनेक गांवों, मुंबई शहर से लाखों की संख्या में प्रतिदिन उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया जा रहा है । इस विशेष अवसर पर भारत के अनेक राज्यों से गणमान्य, नेतागण तथा फिल्मी सितारों की उपस्थिति हो रही है। समाजसेवी रतन मिश्रा ने महाराज धीरेंद्र शास्त्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। शास्त्री ने उन्हें स्वस्थ एवं सुखी होने का आशीर्वाद दिया।

सीनियर सिटीजन को रेलवे किराए में छूट की मांग: बीएसवीएस

मुंबई, (उत्तर शक्ति)। गत दिवस बिंद समाज विकास संघ के केंद्रीय कमेटी की बैठक की गई। जिसमें संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद ने भारत सरकार एवं रेल मंत्री अश्विन वैष्णव से बुजुर्गों के अधिकार की मांग करते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित किया है कि दिसंबर 2019 के वैश्विक महामारी कोरोना के समय से ही सीनियर सिटीजन के किराए को पूरी तरह बंद कर दिया था। जो की अभी भी शुरू नहीं किया गया। लगभग 5 साल हो गए इस तरह सीनियर सिटीजन के यात्रियों को बहुत ही परेशानी झेलनी पड़ रही है। सरकार उनके अधिकारों का हनन कर रही है और अगर बुजुर्गों को यात्रा करनी होती है तो सरकार पूरे का पूरा किराया वसूल कर रही है। संघ ने मांग किया है कि जल से जल्द सीनियर सिटीजन के किराए में जो 50% की छूट है उसे लागू किया जाए ताकि बुजुर्गों का यात्रा मंगलमय हो सके और उन्हें सुगमता पूर्वक रेल टिकट प्राप्त हो सके।

मानसिक तनाव में रहने के करण,मायके में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रकेशवा तकिया में विवाहिता ने अपने मायके में ही फांसी लगाकर जान दे दी है। मामला रविवार रात्रि का है। गांव के उमेश कुमार शर्मा की 35 वर्षीया पुत्री विनिता उर्फ विटोला ने घर के एक कमरे में दुपट्टे के सहारे कमरे में लगी हुई कड़ी मे दुपट्टा बांधकर फांसी लगा लिया। कुछ देर बाद जैसे ही लोगों को पता चला वहां भीड़ एकत्रित हो गई। उसकी शादी लगभग 10 वर्ष पूर्व हुई थी और उसका 7 वर्ष का पुत्र है। पुलिस के अनुसार वह काफी दिनों से मानसिक तनाव में थी जिसका उपचार चल रहा था। उसके माता-पिता रोटी रोटी के सिलसिले में गुजरात में रहा करते हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जौनपुर:सड़क किनारे स्तन पान करा रही युवती को अनियंत्रित ट्रैक्टर ने रौंदा मौके पर दोनों की मौत

-रियाजुल हक

खुटहन, जौनपुर(उत्तरशक्ति)।उक्त थाना क्षेत्र के संजरपुर गांव निवासी विवाहिता को काश पता होता कि घर से मायका जाकर दूसरे दिन वापस लौटना उसका और उसके दुधमुंहे पुत्र की अंतिम यात्रा होगी तो वह कदापि बहन की गोदभराई में शामिल होने न जाती। हादसे में मां-बेटे की एक साथ मौत की खबर घर पहुंचते ही उसके परिजन और आसपास के लोग उक्त बातों की दुहाई देते हुए दहाड़े मारकर रोने बिलखने लगे जिससे पूरे गांव में मातम पसर गया।उक्त गांव निवासी नजमा पत्नी सज्जाद रविवार को अपने डेढ़ वर्षीय पुत्र उबैद को गोद में लेकर देवर मोहम्मद कैफ के साथ बाइक से अपने मायके सुल्तानपुर जिले के करौंदी थाना क्षेत्र के पहाड़पुर कला गांव में अपनी छोटी बहन की गोदभराई में शामिल होने गई थी जहां से दूसरे दिन सोमवार को उसी बाइक से वापस घर लौट रही थी। रास्ते में गौरा गांव स्थित एक ईंट-भट्टा के पास गोद में लिया बच्चा रोने लगा। नजमा ने देवर से बाइक रोकने को कहा। वह पटरी के बगल बैठकर बच्चे को स्तनपान कराने लगी। मोहम्मद कैफ दूर जाकर खड़ा हो गया। तभी ईंट लादकर आ रहा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर मां-बेटे को रौंदते हुए पेड़ से जा टकराया। घटनास्थल पर दोनों की मौत हो गई। देवर दूर खड़ा था, वह बच गया। घटना की खबर घर पहुंचते ही परिजनों में मातम छा गया है।

मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अहमद बदावी का निधन

मलेशिया। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अहमद बदावी का हृदय की बीमारी के कारण यहां निधन हो गया। कुआलालंपुर स्थित अस्पताल ह्यईस्टिट्यूट जांतुंग नेगरा' ने सोमवार को यह जानकारी दी। बदावी का इस अस्पताल में उपचार चल रहा था। वह 85 वर्ष के थे। बदावी मलेशिया के पांचवें प्रधानमंत्री थे। वह 2003 से 2009 तक पद पर रहे, लेकिन राष्ट्रीय चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन के निराशाजनक परिणाम की जिम्मेदारी लेने के लिए उन पर इस्तीफा देने का दबाव डाला गया था। राजनीति छोड़ने के बाद उन्होंने आम आदमी की तरह जीवन व्यतीत किया। इसके पहले, वर्ष 2022 में उनके दामाद खैरी जमालुद्दीन ने बताया था कि बदावी को डिमेंशिया है। उन्होंने कहा था कि अब्दुल्ला को बोलने में दिक्कत होती है और वह अपने परिवार के लोगों को पहचान नहीं पाते हैं।

भदोही महोत्सव में दिखा कला, संस्कृति और मनोरंजन का संगम

* सपना अवस्थी और विपिन सचदेवा के गायिकी ने मचाया धमाल
* महोत्सव से आपसी सौहार्द बढ़ता है : पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र
* विभिन्न संस्कृतियों के कलाकारों को एक मंच पर लाकर, यह महोत्सव कला व संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है : डॉ. एके गुप्ता

-सुरेश गांधी

वाराणसी। भदोही महोत्सव के समापन पर दूर दराज से आएं कलाकारों की प्रस्तुतियों में कला संस्कृति की झलक से लेकर, मायानगरी का भी अनोखा संगम देखने को मिला। श्री इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कलराज मिश्र ने भी शिरकत की। इस दौरान उन्होंनें दीप प्रज्ज्वलन के साथ स्मारिका का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में मशहूर पार्श्व गायिका सपना अवस्थी और क्लासिक सिंगर विपिन सचदेवा ने एक के बाद एक कई अपनी प्रस्तुतियां से लोगों का दिल बाग-बाग कर दिया। इस मौके पर इंडिया गेट टैलेंट के प्रथम रनर अप आकाश जायसवाल ने भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा। इसके अलावा प्रसिद्ध कॉमेडियन सुनील पाल ने भी अपनी हास्य-व्यंग्य कविताओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। कार्यक्रम में खेल, चिकित्सा, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को कलराज मिश्र के हाथों सम्मानित किया गया। अपने संबोधन के दौरान कलराज मिश्र ने कहा कि भदोही जैसे छोटे शहर में इतना बड़ा आयोजन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि भदोही का नाम कालीन उद्योग के लिए विश्व प्रसिद्ध है। महोत्सव से आपसी सौहार्द बढ़ता है। तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम में प्रतिभावानों ने न सिर्फ खेल प्रतियोगिताओं में अपना हूनर दिखाया, बल्कि क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बॉक्सिंग, टेबल टेनिस, मैराथन, कबड्डी, एथलेटिक्स, हॉकी, कुश्ती और खो-खो आदि खेलों में लोगों ने अपना मदखम दिखाया।

सोसायटी के सचिव डॉ. एके गुप्ता ने कहा कि आयोजन का मकसद अंतरराष्ट्रीय सहभागिता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है. यह कलाकारों और विभिन्न संस्कृतियों को एक मंच पर लाकर उनके बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है. यह कार्यक्रम सद्भाव और एकता की भावना जगाने का प्रयास करता है. उन्होंने कहा कि भदोही महोत्सव अब सिर्फ. भदोही ही नहीं बल्कि भारत के विभिन्न शहरों तक अपनी पहचान बना रहा है. डॉ. एके गुप्ता ने संबंधों को मजबूत करने में कला और संस्कृति की भूमिका पर भी जोर दिया और कहा, ह्लभारत की कला और संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करती है.ह्व विभिन्न संस्कृतियों के कलाकारों को एक मंच पर लाकर, यह महोत्सव कला व संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. कार्यक्रम के अंत में सोशाइटी के अध्यक्ष कृष्णा मिश्रा ने लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सीनियर चार्टर्ड एकाउंटेंट आरसी त्रिपाठी व केपी दुबे के अलावा हरीश सिंह का विशेष योगदान रहा।

आम्बेडकर जयंती पर निकली जगह-जगह झांकी, कस्बे में निकला भव्य जुलूस

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष भारत रत्न डा.भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती बड़े धूमधाम से मनायी गयी तो वहीं जगह-जगह उनकी झांकी निकाल कर उनके पद चिह्नो पर चलने का आह्वान किया गया। इस क्रम में डोभी, सरवरपुर, मैनुद्दीनपुर, कनवरिया, गोरारी, सोंधी सहित अन्य विभिन्न गाँवों से सोमवार को जुलूस निकाला गया जिसमें भारी संख्या में महिला-पुरुष तथा बच्चे सम्मलित रहे। जुलूस अपने-अपने गाँवों से निकलकर खेतासराय नगर में एक जगह मिलकर समूचा नगर भ्रमण किया। इसी परिपेक्ष्य में नगर में डॉ. भीमराव आम्बेडकर से सम्बंधित झांकियों के साथ भव्य जुलूस निकाला गया जिसमें लोग नाचते गाते तथा बाबा साहेब के नारे लगाते हुए चल रहे थे। यह जुलूस नगर भ्रमण करते हुए खेतासराय डाकखाने के पास बौद्ध विहार के पास समाप्त हुआ। जुलूस में लोग बाबा साहब का गुणगान करते हुए चल रहे थे और साथ ही पटाखे फोड़कर अपनी खुशी का इजहार कर रहे थे। वही बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण के उपरांत जयकारे लगे एवं समाज को बाबा साहब से प्रेरणा लेने की बात कही गयी। सभा स्थल पर पहुँच कर अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला और समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। इस अवसर प्रमुख रूप से सोनू गौतम, शेखर गौतम, दीनानाथ राजभर, विवेक कुमार राघव, गौरव दयाल, अंकित कौल, संजय विश्वकर्मा, अमीन गौतम, जगदंबा पांडे, शांतिभूषण मिश्र आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया को संभ्रांतजनो ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

सुलतानपुर (उत्तरशक्ति)। लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया के निधनोपरांत उनके पैतृक निवास रेवारी बेलहरी सुलतानपुर में शोक संवेदना व्यक्त किया गया। जिसमें शाहगंज विधान सभा के विधायक रमेश सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी पी सिंह, विख्यात कथा वाचक पंडित मदन मोहन मिश्र महाराज, पूर्व प्रमुख रामअभिलाख तिवारी, अपर मुख्य अधिकारी पंचायतीराज सुलतानपुर हरिओमनारायणचंद्र, वरिष्ठ लिपिक जिला पंचायत सुलतानपुर राकेश चौधरी, जिला पंचायत सदस्य नंदन चौबे, जिला पंचायत सदस्य ओ पी चौधरी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सोनू शुक्ला, महंत गोरखानंद दास जी महाराज अयोध्याधाम, समाजसेवक देवेंद्र प्रताप सिंह, धर्मदेव शुक्ला,नीरज सिंह, राजू सिंह, पिंकू सिंह, समाजसेवी दिवाकर मिश्र सहित कई सम्मानित लोगों ने बेबी भइया को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर स्व.चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया के ज्येष्ठ सुपुत्र लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय सचिव एवं श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल रिंकू भइया, प्रशांत शुक्ल पी के और छोटे सुपुत्र जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ल से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त किया इसी कड़ी में डॉ सी बी शुक्ल, रामप्रताप शुक्ला,बबऊ शुक्ला, पंडित नीरज मिश्रा, उमाशंकर मिश्रा,अरविंद तिवारी,एड प्रवीण शुक्ला, अभिषेक पांडेय, डॉ नीरज पांडेय, सिंटू श्रीवास्तव, डी पी पांडेय,प्रधान प्रतिनिधि प्रिंस चौबे, प्रधान पिंटू कसौधन, प्रधान विक्की यादव, चंद्रभान शुक्ल, राजेश शुक्ल, राकेश शुक्ल, इंद्रभान शुक्ल उदयभान शुक्ल रत्नेश शुक्ल, संदीप शुक्ल, अवधेश तिवारी, रवीश दूबे, दीपक सुरज सचिन दिलीप ऋषभ पुष्कर प्रथम शिवम अंश प्रत्यूष सागर परमेश शुक्ल, तनय मिश्रा,क्षेत्र पंचायत सदस्य संदीप दुबे,संजीत सिंह, नवीन सिंह, विजय सिंह,पंच बहादुर वर्मा सुनील वर्मा, राहुल शुक्ला, अरुण वर्मा और आशीष वर्मा, आकाश दूबे,विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र, गौरव पांडेय, शिवम पांडेय,मोहित तिवारी, अंजनी यादव, बबलू तिवारी, आकाश दुबे, लालजी शुक्ला, रविदीप पांडेय, मिट्ठू शुक्ला, किशन शर्मा, कृष्णा सिंह, भोलू पांडेय, हीरा यादव, प्रेम सिंह, महेश यादव सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने स्वर्गवासी बेबी भइया के प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुण्यात्मा आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का जन्मदिन मनाया गया

जौनपुर। जनपद जौनपुर के बराईपार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा धनौवां में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर संविधान निमार्ता व गरीबों के मसीहा थे। वहां पर उपस्थित सभी लोगों ने अपनी अपनी बातों को रखा, और बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा किए गए कार्यों के बारे में लोगों ने अपने-अपने विचार रखे। ग्राम सभा धनौवां में प्रतिवर्ष अंबेडकर जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई के साथ बड़े जन सैलाब के साथ मनाई जाती है । यहां पर सभी महिला, पुरुष, बुजुर्ग,बच्चे, युवा, नौजवान, चाचा-चाची दादा- दादी सभी लोग एकत्रित होकर अंबेडकर की झांकी बनाकर पूरे गाजे- बाजे के साथ रैली को निकालते हैं। ग्राम सभा धनौवां की रैली एक ऐतिहासिक रैली होती है ।। सभी लोग एकजुट होकर रैली में सहयोग करते हैं । मौके पर ग्राम सभा के काफी सम्मानित लोग जैसे, बिरहा सम्राट शेरे जौनपुर राजबली यादव खलीफा, प्रमोद कुमार यादव,भोजपुरी गायक व फिल्म अभिनेता गुड्डू यादव, हरिश्चंद्र कन्नौजिया , शोभनाथ गौतम, बाबूलाल गौतम, अमरनाथ गौतम, कल्पनाथ गौतम,फूलचंद गौतम, बड़े लाल गौतम, शिव शंकर गौतम, मुन्ना गौतम, शंकर गौतम, हीरालाल गौतम, मोतीलाल गौतम, सुनील कुमार गौतम गुलजारीलाल गौतम, जिलेदार गौतम, बनारसी गौतम नंदलाल गौतम, राहुल गौतम अध्यापक, लाल साहब गौतम, सुभाष गौतम, राकेश गौतम, राजेश कुमार गौतम, सुरेश गौतम, प्रेमचंद गौतम, झल्लर गौतम, जय हिंद गौतम, संतलाल गौतम, महंत लाल गौतम, प्यारेलाल गौतम, धनराज गौतम, प्रदीप कुमार गौतम, उदय राज गौतम, कन्हैयालाल गौतम, राम सिंह गौतम, नन्हकऊ गौतम गोपाल गौतम, राजेन्द्र प्रसाद यादव पत्रकार, राजबहादुर यादव, विनीत कुमार यादव, गोरेलाल यादव, अंश यादव, अजय कुमार यादव, लोकगीत गायक जैकी जौनपुरी, आदि क्षेत्र के सभी सम्मानित गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सेक्टर प्रभारी सुरेश कुमार द्वारा किया गया। सुरेश कुमार ने आए हुए सभी सम्मानित लोगों का आभार व्यक्त किया।

अम्बेडकर जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा, ग्राम पंचायतों में हुआ भव्य आयोजन

-शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर शाहगंज के कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कई ग्राम पंचायतों में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विशेष रूप से खरौना ,नटौली, अम्बेडकर नगर मियापुर बकुची आदि ग्राम पंचायतों में शोभायात्रा, श्रद्धांजलि सभा, संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी गई। क्षेत्र के विभिन्न गांवों से झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। महिला बच्चियों बूढ़े हो यह जवान सभी ने शोभायात्रा में हिस्सा लिया। शोभायात्रा जेसीस चौक पर एकत्रित, शोभायात्रा मेंन रोड होते हुए कोतवाली चौराहा से अपने गन्तव्य को रवाना हुई। कार्यक्रमों में गांव के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जगह-जगह पर डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। विद्यालयों और सामाजिक संस्थानों द्वारा आयोजित गोष्ठियों में वक्ताओं ने अम्बेडकर जी के जीवन, उनके संघर्ष, और संविधान निर्माण में उनके योगदान को याद किया। बच्चों द्वारा भाषण, निबंध, चित्रकला प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही स्थानीय युवाओं द्वारा शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बाबा साहेब के आदर्शों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया गया। इन आयोजनों में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता, अध्यापक, छात्र एवं ग्रामीण जन भारी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक समानता, शिक्षा और न्याय की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। क्षेत्राधिकार शाहगंज अजीत सिंह चौहान सहित कोतवाली प्रभारी लगातार मय फोर्स चक्रमण करते रहें।

हज 2025 के लिए सऊदी अरब ने उठाए सख्त कदम

सऊदी। सऊदी अरब ने हज 2025 की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस साल हज यात्रा के लिए कुछ नई गाइडलाइंस लागू की गई हैं, जिनका उद्देश्य हज यात्रा को और अधिक सुरक्षित बनाना है। सऊदी गृह मंत्रालय ने उमराह और हज यात्रियों के लिए नई तारीखों और नियमों की घोषणा की है, जिससे यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। सऊदी अरब सरकार ने बताया कि उमराह यात्रियों के प्रवेश की अंतिम तिथि 13 अप्रैल 2025 है। 13 अप्रैल के बाद उमराह करने के लिए मक्का में प्रवेश नहीं किया जा सकेगा। साथ ही, उमराह करने वाले यात्रियों को 29 अप्रैल 2025 तक सऊदी अरब से वापस लौटना होगा। इसके बाद मक्का में आने-जाने पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, और बिना परमिट के किसी को भी मक्का में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। सऊदी गृह मंत्रालय के बयान में यह भी कहा गया है कि 23 अप्रैल 2025 से मक्का में एंट्री और बाहर निकलने के लिए सख्त नियम लागू किए जाएंगे। अब, मक्का में प्रवेश के लिए काम करने का परमिट, मक्का का पहचान पत्र, या हज परमिट होना अनिवार्य होगा। यदि किसी के पास इन में से कोई भी दस्तावेज नहीं होगा, तो उन्हें मक्का में प्रवेश नहीं मिलेगा। यह नियम उन विदेशी नागरिकों पर भी लागू होगा, जो मक्का में नहीं रहते हैं। सऊदी मंत्रालय ने साफ किया है कि जो यात्री 29 अप्रैल 2025 से पहले मक्का में प्रवेश के लिए बिना परमिट पहुंचेंगे, उन्हें अल शुमैसी या किसी अन्य चेकपॉइंट से वापस भेज दिया जाएगा । यह नियम उन विदेशी नागरिकों के लिए भी है, जो मक्का में काम करने के लिए आ रहे हैं, उन्हें परमिट के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सऊदी सरकार ने यात्रियों से अपील की है कि वे हज और उमराह के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ यात्रा करें ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी से बचा जा सके। इन कड़े नियमों का उद्देश्य हज और उमराह यात्रा को और अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है। सऊदी मंत्रालय का कहना है कि यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि हाजियों की आमद से पहले मक्का की स्थानीय प्रशासनिक तैयारियां पूरी की जा सकें और मक्का में किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके।

स्वर्णकार विवाह मंच के संस्थापक राजकुमार सोनी का हुआ सम्मान

उज्जैन। स्वर्ण कला बोर्ड के कार्यालय मध्य प्रदेश उज्जैन के उद्घाटन अवसर पर स्वर्णकार विवाह मंच के संस्थापक राजकुमार सोनी का हुआ सम्मान किया गया। इस मौके पर मध्य प्रदेश सरकार में कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उज्जैन के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, पूर्व राज्यसभा सदस्य कैलाश सोनी, दुर्गेश सोनी, अध्यक्ष स्वर्ण कला बोर्ड सुनील महेश्वरी, पूर्व अध्यक्ष सिलाई कढ़ाई बोर्ड उपस्थित रहे।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर एवं छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित किया

वसई रोड। वसई रोड पश्चिम के वसई गांव में वसई जनता सहकारी बैंक कर्मचारी संघ कार्यालय व भाजपा वसई शहर मंडल कार्यालय वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर एवं छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की । भारतीय संविधान की भी पूजा की गई। इस मौके पर स्नेहा दुबे पंडित के साथ महेश देसाई, विवेक केन, सुहास बिराडे, नंदकुमार महाजन, मुकुंद मुले,अमित पवार, श्रीमती सुचिता शेट्टी, श्रीमती प्रीतम राऊत, श्रीमती गीतांजलि दारीवाला, मनमित राऊत, संतोष कक्कड़, किशोर वैती, श्रीमती विजेता सुर्वे, श्रीमती निशा पाठक,सुशील ओगले मौजूद रहे।

स्नेहा दुबे ने गुरुद्वारा में किया प्रार्थना

वसई । वसई पश्चिम के अंबाडी रोड स्थित श्री गुरु सिंह साब गुरुद्वारे में बैसाखी के पावन अवसर पर स्नेहा दुबे पंडित ने प्रार्थना की । इस अवसर पर स्नेहा दुबे के साथ मनिंदरसिंह कोहली, सुरेंदर सिंह, छोटू आनंद, मिकी आनंद, मनजीत सिंह लांबा, सौ. अपर्णा पाटील, सौ. निशा पाठक, सौ. विजेता सुर्वे, रितेश सत्यनाथ, मयूर सोनी, मयंक शेठ, प्रविण गावडे, धरेंद्र कुलकर्णी, नितीन भोईर, अक्षय कदम एवं अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक स्नेहा दुबे ने बताया कि बैसाखी हमें नई ऊर्जा और एकता का संदेश देती है – यह पर्व समृद्धि और भाईचारे का प्रतीक है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दो सिखों समेत 10 आतंकवादी गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने दो सिखों समेत 10 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस के आतंकवाद-निरोधी विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, पंजाब के विभिन्न इलाकों में अभियान के दौरान 10 आतंकवादियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया गया। उन्होंने कहा, गिरफ्तार आतंकवादियों में दो पाकिस्तानी सिख सूरज सिंह और बादल सिंह शामिल हैं। दोनों सिखों को रावलपिंडी से गिरफ्तार किया गया है। वे पंजाब के ननकाना साहिब जिले से हैं और जेय सिंध मुत्ताहिदा महाज के सक्रिय सदस्य हैं। यह एक अलगाववादी राजनीतिक पार्टी है, जो सिंध प्रांत को पाकिस्तान से अलग किये जाने की वकालत करती है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि पिछले सप्ताह प्रांत के विभिन्न जिलों में खुफिया सूचना के आधार पर 189 अभियान चलाए गए और 10 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया तथा हथियार, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए अन्य आठ आतंकवादी प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हैं। उन्होंने कहा, आतंकवादियों ने रावलपिंडी और पंजाब के अन्य शहरों में महत्वपूर्ण इमारतों को निशाना बनाने की साजिश रची थी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आतंकवादियों के खिलाफ नौ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं और आगे की जांच जारी है।